भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 256 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 10 सितम्बर 2021

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए "क्रियायोग अभ्यास करें" सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

बीआईआईसीएस देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूर किया, आतंकवाद के खिलाफ जंग पर सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज ˝त्ष्ण्ए देशों का सम्मेलन हुआ। वर्चुअल तरीके से हुए इस सम्मेलन में आतंकवाद पर चर्चा की गई है। ˝त्ष्ण्ए देशों ने नई दिल्ली घोषणा पत्र को मंजूर किया है। इसके अलावा आतंकवाद के खिलाफ जंग पर सहमति भी बनी है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अफगानिस्तान का मुद्दा उठाया। 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं। ब्रिक्स सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि अफगानिस्तान से अमेरिका के जाने से नया संकट पैदा हो गया है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के सामने सुरक्षा की चुनौतियां हैं। आतंक और नशे के कारोबार पर नियंत्रण जरुरी हो गया है। आतंकवाद पर नियंत्रण जरुरी है। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान को आतंकवाद और मादक पदार्थों की तस्करी का स्रोत के रूप में अपने पड़ोसी देशों के लिए खतरा नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र दी ने काउंटर टेररिज्म एक्शन प्लान का जिक्र किया। पीएम ने कहा कि यह पहली बार हुआ है जब ब्रिक्स ने मल्टीलिटरल सिस्टम की मजबूती और सुधार पर एक पोजिशन लिया है। पीएम ने कहा कि ब्रिक्स ने काउंटर टेररिज्म एक्शन प्लान को अडॉप्ट किया है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले डेढ़ दशक में ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। आज हम विश्व की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक प्रभावकारी आवाज़ है। विकासशील देशों की प्राथमिकताओं पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए भी यह मंच उपयोगी रहा है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि ब्रिक्स अगले 15 वर्षों में और परिणामदायी हो।

पीएम ने आगे कहा कि भारत ने अपनी अध्यक्षता के लिए जो थीम चुना हैए वह यही प्राथमिकता दर्शाता है। अफगानिस्तान संकट के समय आयोजित इस अहम बैठक में श्नई दिल्ली घोषणापत्रश् के जरिए नेताओं ने देश में स्थिरताए नागरिक शांतिए कानून और व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए एक समावेशी अंतर.अफगान वार्ता के माध्यम से अफगानिस्तान में हिंसा से बचने और शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति को निपटाने का आह्वान किया। इस वर्ष भारत तब ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा हैए जब ब्रिक्स का 15वां स्थापना वर्ष मनाया जा रहा है। ब्रिक्स ;ब्राजीलए रूसए भारतए चीन और दक्षिण अफ्रीकाद्ध देश हर साल शिखर सम्मेलन आयोजित करते हैं और इसके सदस्य देश बारी बारी से इसकी अध्यक्षता संभालते हैं। भारत इस साल ब्रिक्स का अध्यक्ष है। इस बैठक में ब्राजील के राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारोए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा भी शामिल हुए।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने बृहस्पतिवार को कहा कि चीन अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालेगा और 2022 में समूह के 14वें शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि शी ने वीडियो लिंक के जरिये 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। शी ने कहा कि चीन सभी क्षेत्रों में सहयोग को गहरा करनेए आम चुनौतियों का सामना करने के वास्ते अधिक परिणाम.उन्मुखी साझेदारी बनाने और बेहतर भविष्य बनाने के लिए ब्रिक्स भागीदारों के साथ काम करने को तत्पर है। उल्लेखनीय है कि इस बार शिखर सम्मेलन की विषयवस्तु श्श् निरंतरताए एकजुटता और सहमति के लिए अंतर.ब्रिक्स सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी दूसरी बार ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके पहले वर्ष 2016 में उन्होंने गोवा शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी।

पंजाब के नए राज्यपाल होंगे बनवारीलाल पुरोहित, गुरमीत सिंह उत्तराखंड के गर्वनर नियुक्तय तमिलनाडु के भी बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्या का इस्तीफा गुरुवार को स्वीकार कर लिया और लेफ्टिनेंट जनरल ;सेवानिवृत्तद्ध गुरमीत सिंह को राज्य के राज्यपाल की कमान सौंप दी है। राष्ट्रपति भवन की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने मौर्या का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और उनकी जगह लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह को यह जिम्मा सौंपा है। राष्ट्रपति ने तमिलनाडु के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित को पंजाब का नियमित राज्यपाल नियुक्त किया है। अभी तक पुरोहित पंजाब के राज्यपाल का प्रभार संभाल रहे थे। नागालैंड के राज्यपाल आर एन रवि का तबादला तमिलनाडु किया गया हैए जो पुरोहित का स्थान लेंगे। असम के राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी नागालैंड के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभालेंगे। वह अगली व्यवस्था तक यह जिम्मा संभालेंगे। इन सभी की नियुक्तियां कार्यभार संभालने के दिन से प्रभावी होंगी।

70 किलोमीटर दूर ही ढेर होंगे दुश्मन के लड़ाकू विमान, एयरफोर्स को मिला नया गेमचेंजर हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना को गुरुवार को मीडियम रेंज सरफेस.टु.एयर मिसाइल सिस्टम ;श्त्ए।श्द्ध मिल गया जोए दश्मनों के लड़ाकू विमानए मिसाइलए हेलीकॉप्टर या ड्रोन को 70 किलोमीटर दूर से ध्वस्त कर सकता है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इसकी क्षमता के बारे में बताते हुए इसे एयर डिफेंस का गेम चेंजर बताया। भारत और इजराइल ने संयुक्त रूप से श्त्ए।श् या बराक 8 एयर डिफेंस सिस्टम को विकसित किया है। इस सिस्टम में अडवांस रडारए कमांड और कंट्रोल सिस्टमए मोबाइल लॉन्चर शामिल है। मिसाइल को देश में निर्मित रॉकेट मोटर ताकत देता है और बेहद खास कंट्रोल सिस्टम है। जैसलमेर

में इंडक्शन सेरेमनी में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहाए श्श्त्ए।श् को इंडियन एयर फोर्स को सौंपने के साथ हमने आत्मनिर्भर भारत की ओर बड़ी छलांग लगाई है। श्त्ए।श् एयर डिफेंस में गेमचेंजर होगा। इस सिस्टम को इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज और डिफेंस रिसर्च एंड डिवेलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन ;डीआरडीओद्ध की ओर से संयुक्त रूप से विकसित किया गया है। इस प्रॉजेक्ट में इजराइली कंपनी राफाइलए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेडए भारत डानामिक्स लिमिटेड एंड र्थ्ऊ को भी शामिल किया गया था। डीआरडीओ के चीफ जी सतीश रेड्डी ने रक्षामंत्री राजनाथ सिहं की मौजूदगी में वायु सेना अध्यक्ष आरकेएस भदौरिया को पहला फायरिंग यूनिट सौंपा।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहाए श्यह सिस्टम खराब मौसम में भी 70 किलोमीटर रेंज में एक साथ कई टारगेट को ध्वस्त करने की क्षमता रखता है। कड़े परीक्षणों की कड़ी में इसकी सफलता इसकी विश्वसनीयता का प्रमाण है।श् इसका नेवल वर्जन पहले ही कुछ भारतीय युद्धक जहाजों की क्षमता बढ़ा चुका है। सेना ने भी श्त्ए।श् के लिए ऑर्डर दिया है। भारत और इजराइल ने पिछले 4 सालों में अडवांस सरफेस टु एयर मिसाइल सिस्टम के लिए 3 अरब डॉलर के अलग.अलग समझौते किए हैं।

गणेश चतुर्थी पर मुंबई में धारा 144 लागू, पंडालों में श्रद्धालुओं की एंट्री पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस की दूसरी लहर अभी खत्म नहीं हुई है। इस बीच त्योहारों का दौर भी शुरू होने वाला है। ऐसे में कोरोना से पार पाना बड़ा मुश्किल हो सकता है। इसी को ध्यान में रखते

हुए पूरे मुंबई में 10 से 19 सितंबर के बीच सीआरपीसी की धारा 144 लागू कर दी गई है। गुरुवार को जारी आदेश के मुताबिक त्योहार के दौरान पूरे शहर में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर रोक रहेगी।एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने यह भी कहा है कि गणेश चतुर्थी के दौरान भक्तों को पंडालों में जाने की अनुमति नहीं होगी। गणेश चतुर्थी के दौरान पंडाल ही आकर्षक के मुख्य केंद्र होते हैं। साथ में यह भी आदेश जारी किया गया है कि मुंबई में कोई बड़ी सभा भी नहीं होगी। राज्य के गृह विभाग की ओर से कहा गया कि पंडाल से केवल ऑनलाइन दर्शन की अनुमति दी जाएगी। इससे पहले गृह विभाग ने एक परिपत्र में कहा था कि उत्सव के दौरान सामाजिक दूरी का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। नए परिपत्र में कहा गया है कि लोगों को गणेश पंडालों में जाने की अनुमति नहीं होगी।

पाकिस्तान के खिलाफ आवाज उठाने की सजा देगा तालिबान, अफगान सरकार की सलाहकार रहीं सारा सीरत को किया अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। हालिया दिनों में अफगानिस्तान में पाकिस्तान के खिलाफ लगातार विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं। काबुल की सड़कों पर लोग पाकिस्तान मुर्दाबाद, आजादी और सपोर्ट पंजशीर के नारे लगा रहे हैं। अफगान लोग अफगानिस्तान में पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं और तालिबान इन प्रदर्शनकारियों के साथ मारपीट कर रहा है। ताजा अपडेट ये है कि तालिबान ने सारा सीरत को गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि सारा को कपिसा क्षेत्र में तालिबान

ने गिरफ्तार किया है। सारा महिला अधिकार कार्यकर्ता हैं और वह महिला मामलों के मंत्रालय की पूर्व सलाहकार रह चुकी हैं। सारा कई और महिलाओं के साथ महमूद रकी में महिलाओं के अधिकार, आजादी और अफगानिस्तान में पाकिस्तान के हस्तक्षेप के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी। काबुल सहित अफगानिस्तान के अन्य हिस्से में पाकिस्तान के खिलाफ बढ़ते विरोध को लेकर तालिबान ने लोगों को घर से बाहर नहीं निकलने की चेतावनी जारी की थी। लेकिन इसके बावजूद अफगान लोग पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कई लोग काबुल स्थित पाकिस्तानी दूतावास के सामने भी प्रदर्शन किया है जिन्हें बाद में भगा दिया गया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कई जगहों पर महिलाओं को बुरी तरह से पीटा गया है और प्रदर्शन को जबरन खत्म करवा दिया गया है।

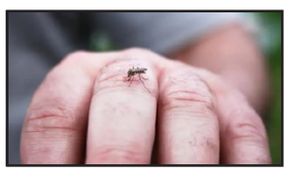

यूपी के कई शहरों में बुखार के बाद बच्चों की मौत, आईसीएमआई ने कहा. डेंगू का डी-2 स्ट्रेन है वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मथुराए आगरा और फिरोजाबाद जिले में ज्यादातर मौतें डेंगू बुखार की वजह से हुई है। आईसीएमआर के निदेशक.जनलर डॉक्टर बलराम भार्गव ने गुरुवार को कहा कि इन राज्यों में ज्यादातर मौतें डेंगू के क्.2 स्ट्रेन से हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह स्ट्रेन खतरनाक है। नीति आयोग ;स्वास्थ्यद्धके सदस्यए डॉक्टर वी के पॉल ने लोगों से अपील की है कि वो सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि डेंगू की वजह से कई तरह की गंभीर समस्याएं सामने आ सकती हैं औप मौतें भी हो सकती हैं। डॉक्टर वी के पॉल ने कहा कि मॉक्यूटो नेट का इस्तेमाल कर इस बीमारी से बचें। डेंगू से मौत हो सकती हैं। हमारे पास डेंगू का वैक्सीन भी नहीं

है। इसलिए डेंगू को गंभीर बीमारी के तौर पर लेने की जरुरत है। हमें डेंगू के खिलाफ लड़ने की जरुरत है। विशेषज्ञों का कहना है कि डेंगू वायरस ेदूब्ज 2 ;क्म्न्.2 दत क्2द्धबेहद खतरनाक है। हाल ही में एक केंद्रीय टीम ने फिरोजाबाद जिले का दौरा किया था। टीम ने कहा था कि यहां ज्यादातर मौतें डेंगू की वजह से हुई है।

बता दें कि फिरोजाबाद में वायरल और डेंगू बुखार का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है। दो और बच्चों की मौत के बाद इससे मरने वालों की संख्या बढ़कर 57 हो गई है। मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य डॉक्टर संगीता अनेजा ने बृहस्पतिवार को बताया कि कॉलेज के बाल रोग पृथक.वास वार्ड में 403 मरीज भर्ती हैं। मेडिकल कॉलेज के इस वार्ड में उपचार के दौरान बृहस्पतिवार को दो बच्चों की मौत हुई है जिनमें एक बच्चे की उम्र पांच साल जबकि दूसरी बच्ची की उम्र 12 साल है। अनेजा ने बताया कि पिछले तीन दिन से मेडिकल कॉलेज में मरीजों के भर्ती होने का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा था हालांकि मौत का आंकड़ा नियंत्रित था और तीन दिन में किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई थी।बृहस्पतिवार को दिन में जब दो बच्चों की मौत के बारे में डॉ संगीता अनेजा से पूछा गया तो उन्होंने जानकारी होने से इंकार किया। हालांकिए बाद में देर शाम उन्होंने मेडिकल कॉलेज की प्रेस विज्ञप्ति में दो बच्चों की मौत की जानकारी साझा की।

इस बीचए मेडिकल कॉलेज के बाहर कई तीमारदारों ने आरोप लगाया कि उनके मरीजों के पूरी तरह ठीक नहीं होने के बावजूद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दी जा रही है। जब इस बारे में डॉक्टर संगीता अनेजा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि मरीज को छुट्टी पूरी काउंसलिंग करने के बाद ही दी जाती है और यदि फिर भी कोई मामला ऐसा है तो वह इसकी जांच कराएंगी।

वैक्सीन की एक खुराक मौत को रोकने में 96.6 फीसदी तक कारगर, आईसीएमआर ने बताया दोनों डोज कितना है असरदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना वायरस को मात देने के लिए वैक्सीनेशन ही एक मात्र उपाय है। यही वजह है कि देश में लोगों का तेजी से वैक्सीनेशन किया जा रहा है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (घ्ब्ड) के महानिदेशक डॉ बलराम भार्गव ने गुरुवार को कहा कि कोविड-19 टीके की एक डोज लेने पर 96.6 फीसदी तक मौत की संभावना कम हो जाती है, जबकि दोनों डोज मृत्यू को 97.5 प्रतिशत तक रोकती हैं। 18 अप्रैल से 15 अगस्त 2021 तक एकत्र किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए बलराम भार्गव ने कहा कि टीकाकरण मौतों को रोकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अप्रैल-मई में कोवि-19 की दूसरी लहर में अधिकांश मौतें बिना टीकाकरण के दर्ज की थी। टीका लगवाने के मिलने वाली यह सुरक्षा सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए है। चाहे वो 60 साल या फिर उससे अधिक के हो या फिर 45-59 या फिर 18-44 साल के लोग हो। नीति आयोग के सदस्य और कोविड टास्क फोर्स के प्रमुख डॉ वीके पॉल ने कहा कि यह स्पष्ट है कि दो खुराक पूरी सुरक्षा प्रदान करती है। उन्होंने आगे कहा कि 18 साल से ऊपर के 58 फीसदी लोगों को सिंगल डोज दी गई, जो कि 100 प्रतिशत होनी चाहिए। पॉल ने कहा कि कोई भी पीछे नहीं रहना चाहिए। लगभग 72 करोड़ वैक्सीन डोज दी गई। जो बचे हैं उन्हें हर्ड इम्युनिटी विकसित करने के लिए प्रशासित किया जाना चाहिए। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने कहा कि टीकाकरण की गति तेजी से बढ़ रही है। औसतम प्रतिदिन दी जाने वाली खुराक मई में 20 लाख थी जो कि सितंबर में 78 लाख हो गई है। वैक्सीनेशन की गति अभी और बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि हमने सितंबर के पहले सात दिनों में मई के 30 दिनों की तुलना में अधिक टीके लगाए हैं।

छह महीने तक हड़ताल नहीं कर पाएंगे सरकारी कर्मचारी, योगी सरकार ने लगाई रोक

लखनऊ (एजेंसी)। पांच महीने से जल निगम के अधिकारी और कर्मचारियों के आंदोलन को देखते हुए योगी सरकार ने यूपी में हड़ताल पर छह महीने के लिए रोक लगा दी है। कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगाते हुए जारी आदेश में कहा गया है कि नगर निगमए पालिका परिषदए नगर पंचायतए जल संस्थान और जल निगम के कर्मचारी अगले छह महीने तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। अपर मुख्य सचिव ने जारी आदेश में कहा है कि अधिनियम के तहत दी गई शक्तियों के सरकार ने तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया है। सरकार के मुताबिक अब कर्मचारी संगठनों को आने वाले छह महीने तक हड़ताल करने की इजाजत नहीं मिलेगी। आपको बता दें कि लगभग पांच महीने से जल निगम के अधिकारी और कर्मचारी वेतन को लेकर हड़ताल पर हैं। बुधवार को ये सभी विधानसभा का घेराव करने पहुंचे थे। झांसी में दो बस में सवार होकर विधानसभा का घेराव करने पहुंचे जल निगम के कर्मचारियों को पुलिस ने ऐन वक्त पर रोक लिया था। इसके बाद पुलिस और कर्मचारियों में धक्का.मुक्की भी हुई थी।

मुस्लिमों को हमेशा साबित करना पड़ता है कि वे हिंसा नहीं चाहते, तालिबान पर बोलीं महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि मुसलमानों को हमेशा साबित करना पड़ता है कि वो हिंसा नहीं चाहते हैं। पीडीपी की अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मुस्लिमों से हमेशा अपेक्षा की जाती है कि वो यह साबित करें कि वो हिंसा नहीं चाहते हैं। जम्मू कश्मीर की पूर्व सीएम ने कई सारे ट्वीट किये और अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि तालिबान और शरिया कानून को लेकर उनके दिये गये बयान को तोड़ा-मरोड़ा गया है। महबूबा मुफ्ती ने कहा, चकित नहीं हूं कि शरिया पर दिये गये मेरे बयान को तोड़ा-मरोड़ा गया। शरिया बरकरार रखने का दावा करने वाले ज्यादातर देश ''इसके सच्चे मूल्यों को आत्मसात करने

में नाकाम रहे हैं। मुफ्ती ने बुधवार को कहा था कि तालिबान एक वास्तविकता के रूप में सामने आया है। सत्ता में पहली बार उसकी छवि मानवाधिकारों के विरोधी की तरह थी। अगर वह अफगानिस्तान पर शासन करना चाहता हैं, तो उसे कुरान में निर्धारित सच्चे शरिया कानून का पालन करना होगा जोकि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के अधिकारों की गारंटी देता है। उनकी इन टिप्पणियों की मीडिया के कुछ वर्गों के साथ ही सोशल मीडिया मंचों पर आलोचना की गयी।

इसके एक दिन बाद जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस बात से हैरान नहीं है कि शरिया पर उनके बयान को जानबूझकर तोड़ा-मरोड़ा गया। महबूबा ने ट्वीट किया, 'ऊंगली नहीं उठा सकती क्योंकि शरिया बरकरार रखने का दावा करने वाले ज्यादातर देश उसके सच्चे मूल्यों को आत्मसात करने में विफल रहे हैं। उन्होंने केवल महिलाओं पर ये पाबंदियां लगायी कि वे क्या करें और क्या न करें, कैसे कपड़े पहने आदि। उन्होंने कहा कि असली मदीना चार्टर पुरुषों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए समान अधिकारों की बात करता है। उन्होंने कहा, ''यहां तक कि महिलाओं को संपत्ति, सामाजिक, कानूनी और विवाह अधिकार दिए गए हैं।

खबर संक्षेप

डाक्टर गंगेश दीक्षित नागरिक पीजी कालेज जंघई में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष बने

जंघई। नागरिक पीजी कालेज जंघई के असिस्टेंट प्रोफेसर डाक्टर गंगेश दीक्षित नागरिक पीजी कालेज जंघई में हिन्दी विभाग के विभागाध्यक्ष बनाये गए हैं। प्राचार्य डाक्टर प्रमोद कुमार तिवारी ने वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर की सूची में वरिष्ठता के आधार पर उनको विभागाध्यक्ष नियुक्त किया है।अपनी नियुक्ति पर डाक्टर गंगेश दीक्षित ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते धन्यवाद ज्ञापित किया है।

कानूनगो की मनमानी, चकबंदी प्रक्रिया में गांव फिर भी की पैमाईश

कोराव। तहसील कोरांव में कार्यरत कानूनगो बड़ोखर द्वारा जिनका रिटायर्ड मेंट नजदीक है,चकबंदी प्रक्रिया में ग्राम सभा महुली होते हुए तथा चकावट भूखंडों की नापजोख किया जाना अनुचित है। बता दें कि ग्राम महुली निवासी अमर बहादुर मौर्या आदि की जमीन चकबंदी से बाहर है। किन्तु फिर भी राम आसरे कानूनगो ने लेखपाल के साथ जा कर उक्त भूखंड की पैमाइस की,जो नियम के विरुद्ध है। उप जिलाधिकारी कोराव से कार्यवाही की मांग की है।

सहसों चौराहे पर शव रखकर परिजनों ने किया चक्का जाम

सेमरा गांव के गणेश भारतीया की हत्या का मामला, दो पक्षों में हुई थी मारपीट

अखंड भारत संदेश

उपजिलाधिकारी फूलपुर को पांच मांगों सहित ज्ञापन सौंपते परिजन व शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम करती महिलाएं एवं पुरुष

सहसों। थाना सराय इनायत के पुलिस चौकी साहसों क्षेत्र के सेमरा गांव में बुधवार को सायंकाल 7 बजे किसी बात को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई जिसमे लाठी-डंडे, ईट पत्थर चलें और असलहों से हवाई फायरिंग की गई। जिसमें गणेश भारतीया 55 वर्ष पुत्र सुरजन को गंभीर चोट आई आई और उसकी मौत हो गई। गणेश भारतीया की मौत के बाद पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया। पोस्टमार्टम के पश्चात सेमरा गांव से मृतक गणेश भारतीया के शव को परिजनों ने गुरुवार को सायंकाल साढ़े 5 बजे सहसों चौराहे पर प्रयागराज की तरफ जाने वाले मार्ग पर रखकर चक्काजाम कर दिया। परंतु दूसरी लेन यातायात के लिए खुली रही। मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों के समझाने के बावजूद भी वे अपनी मांगों पर अड़े रहे। लगभग आधे घंटे के पश्चात उपजिलाधिकारी फूलपुर युवराज सिंह के पहुंचने पर उन्हें अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। तत्पश्चात प्रयागराज की तरफ जाने वाला मार्ग लगभग आधे घंटे के पश्चात सुचारू रूप से संचालित हो सका। ज्ञापन सौंपने के पश्चात परिजन शव को लेकर दाह संस्कार के लिए चले गए। एहतियातन थाना प्रभारी थरवई केपी सिंह, थाना प्रभारी सराय इनायत राकेश चौरसिया, थाना प्रभारी फूलपुर राजकिशोर, थाना प्रभारी हंडिया शमशेर बहादुर सिंह, चौकी प्रभारी सहसों भीष्म नारायण सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस एवं महिला पुलिस बल मौजूद रही। सड़क जाम करने तथा मांगों को लेकर शव रखने में बहुजन आवाम पार्टी की महिला मोर्चा के अध्यक्ष पूनम कोरी, जिला अध्यक्ष शिव सिंह अंबेडकर, राष्ट्रीय सचिव शिव शक्ति वर्धन तथा प्रदेश महासचिव दीपचंद आदि शामिल रहे।

इस घटना के मामले को लेकर परिजनों ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय के नाम संबोधित 5 मांगों का एक ज्ञापन पत्र उपजिलाधिकारी फूलपुर युवराज सिंह को सौंपा गया। जिसमें क्रमशः समस्त आरोपियों को तत्काल प्रभाव से गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए, पीड़ित परिवार को आत्मरक्षा के लिए दो शस्त्र लाइसेंस तत्काल दिया जाए, पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, पीड़ित परिवार को उचित जमीन का पट्टा दिया जाए व पीड़ित परिवार में एक सरकारी नौकरी दिया जाए। चक्का जाम में मौजूद महिलाएं शासन प्रशासन के खिलाफ मुदार्बाद के नारे भी लगाए।

न्यूज झरोखा

विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस समारोह संपन्न

कार्यकताओं को संबोधित करते मुख्य अतिथि

करछना। तहसील क्षेत्र के कौधियारा ब्लाक के रौहा में मंजू देवी आदर्श स्कूल के प्रांगण गुरूवार को विश्व हिन्दू परिषद के कार्यरताओ ने स्थापना दिवस समारोह का आयोजन किया, कार्यक्रम के आयोजक ब्रिजेश त्रिपाठी, अध्यक्षता गिरधर गोपाल जी ने किया ।इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुकेश जी प्रान्त संगठन मंत्री काशी ने विश्व हिन्दू परिषद की स्थापना और संगठन के कर्यो की महत्ता पर प्रकाश डाला, और जिला संयोजक विपिन गुप्ता ने संगठन को लेकर सभी को एक जुट रहनें और विश्व हिन्दू परिषद का स्थापना दिवस समारोह उपस्थित लोगों को विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने पर जोर दिया ।इस दौरान कार्यकम के पूर्व सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की, आयोजक ब्रिजेश त्रिपाठी ने आयें हुए सभी पदाधिकारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया ।इस अवसर पर नन्हे गुप्ता, रोहित शुक्ला, जनार्दन पांडेय, कृष्णा प्रजापति, विभव नाथ तिवारी, मनीष पांडेय, सर्वेश पांडेय, प्रधान संघ के अध्यक्ष शिव शंकर सहित बड़ी संख्या में विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

शिवम तिवारी उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल बने ग्रामीणों में हर्ष

प्रतापपुर। क्षेत्र के रस्तीपुर खखैचा गाँव निवासी विजयनाथ तिवारी के पुत्र शिवम तिवारी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कांस्टेबल पद पर चयनित किया गया है मिलनसार सीधे सादे उदार प्रवृत्ति के शिक्षक विजयनाथ तिवारी ने बेटे के चयन पर हर्ष जताया है और कहा है कि अभी बेटे का लक्ष्य अन्य प्रतियोगी परीक्षा में बैठकर और आगे जाने का दृढ़ संकल्प है। शिवम तिवारी के उत्तर प्रदेश पुलिस में चयन होने पर क्षेत्र एवं गाँव में हर्ष की लहर है सभी ने शिवम के परिश्रम की सराहना करते हुए बधाई दिया है।

भाजपा सरकार में हो रहा चहुंमुखी विकास : सुरेंद्र चौधरी

जंघई भाजपा मंडल अध्यक्ष के यहाँ एमएलसी सुरेंद्र चौधरी बैठक करने पहुंचे

जंघई। भारतीय जनता पार्टी जंघई मंडल अध्यक्ष संदीप गुप्ता के आवास पर विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी का आगमन हुआ। एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में कड़ी मेहनत के साथ जुटकर भाजपा की नीतियां आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि भाजपा ने हर वर्ग का बिना भेदभाव के साथ विकास किया है। किसान, मजदूर, नौजवानों के लिए विकास, रोजगार के अवसर दिए है। प्रदेश में गुंडाराज और सीमाओं पर आतंकवाद पर अंकुश लगा है। 2022 में भाजपा सरकार फिर से बनने जा रही है भाजपा सरकार में चहुंमुखी विकास हो रहा है।इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता मुकुंद लाल मौर्या राजेश सिंह, मनोज दुबे, प्रदीप शर्मा, गुंजन पांडेय, दिनेश केसरवानी, किशन पाठक सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

शिवम तिवारी यूपी पुलिस में कांस्टेबल बने ग्रामीणों में हर्ष

प्रतापपुर। क्षेत्र के रस्तीपुर खखैचा गाँव निवासी विजयनाथ तिवारी के पुत्र शिवम तिवारी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती प्रोन्नति बोर्ड द्वारा कांस्टेबल पद पर चयनित किया गया है मिलनसार सीधे सादे उदार प्रवृत्ति के शिक्षक विजयनाथ तिवारी ने बेटे के चयन पर हर्ष जताया है और कहा है कि अभी बेटे का लक्ष्य अन्य प्रतियोगी परीक्षा में बैठकर और आगे जाने का दृढ़ संकल्प है। शिवम तिवारी के उत्तर प्रदेश पुलिस में चयन होने पर क्षेत्र एवं गाँव में हर्ष की लहर है सभी ने शिवम के परिश्रम की सराहना करते हुए बधाई दिया है।

नगदी समेत लाखों के सामान पर चोरों ने किया हाथ साफ

चोरी के बाद बिखरा पड़ा सामान

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। प्रधान के घर से नकदी समेत लाखों के समान पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया।ग्रामीणों व पुलिस की सक्रियता से 6 आरोपी गिरफ्तार किए गए और एक फरार है।घटना थाना कोतवाली मेजा क्षेत्र के भसुंदर कलां की बीती रात की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बीती रात थाना कोतवाली मेजा के भसुंदरकला कला निवासी ग्राम प्रधान सोनू पटेल के घर के पीछे से छत के रास्ते मकान में प्रवेश कर चोरों ने लगभग छह लाख के आभूषण तथा जरूरी सामान उठा ले गए।सुबह जब परिजन उठे तो घर में बिखरे सामान को देख अवाक रह गए। घर के बाहर सामान तथा बक्सा टूटा पाया गया। कुछ ही देर में प्रधान के घर में चोरी की सूचना जंगल में आग की तरह फैल गई। ग्रामीणों की भारी भीड़ प्रधान के घर जुट गई। प्रधान सोनू पटेल ने बताया कि घर से लगभग 3 किलोमीटर दूर पहाड़ी पर एक बॉक्स तथा घर के जरूरी कागजात के आधार पर शौच क्रिया के लिए निकले ग्रामीण जब पहाड़ी पर बॉक्स तथा कागजात को देखा तो उन्हें सूचना दी।प्रधान ने मेजा पुलिस को चोरी की सूचना दी।सूचना पर पहुंचे कोतवाल अरुण कुमार चतुर्वेदी ने चौकी मेजरोड़,चौकी कोहड़ार पुलिस के साथ ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए शक के आधार पर 6 लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले गई।जांच के दौरान शक का मामला सही में बदल गया।पकड़े गए 5 आरोपी भटौती और 2 सुकाठ का है।जिसमे एक फरार है।पकड़े गए आरोपियों के पास से चोरी के 4 प्लास्टिक के ड्रम, एक फ्रिज, लगभग 18 इंडेन गैस सिलेंडर,3 टीवी बरामद हुआ। जिसमे एक टीवी पीड़ित प्रधान का है जो 6 माह पूर्व चोरी हुआ था। पीड़ित प्रधान की मां मनोरमा देवी ने थाने में नामजद तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

मेजा रोड में चोरों का गिरोह हुआ सक्रिय उठा ले गए अपाची बाइक

मेजा रोड। क्षेत्र में एक बार फिर चोर उचक्को का गिरोह पूरी तरीके से सक्रिय हो चुका है जो आए दिन चोरी की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल पुत्र सिपाही लाल निवासी डेलौहा बुधवार रात्रि 8:30 बजे मेजारोड बाजार में अपनी अपाची बाइक वढ-70-ए -7092 खड़ी कर काम करने लगा जब वापस लौट कर देखा तो मौके से बाइक गायब रही। बाइक की खोज में पीड़ित हताश परेशान होकर घंटों तलाश करता रहा लेकिन कुछ पता नहीं चल सका थक हार कर पीड़ित ने मेजारोड चौकी पर तहरीर देकर बाइक बरामदगी की गुहार लगाई है। वही देखा जाए तो मेजारोड बाजार में बाइक चोर गिरोह पूरी तरह सक्रिय है जो पलक झपकते ही घटना को अंजाम दे रहा है।

शो-पीस बनकर रह गया है आरा खुर्द का पीएचसी केंद्र

अखंड भारत संदेश

प्रतापपुर। प्रदेश सरकार का कार्यकाल खत्म होने में अब महज कुछ महीने ही बचे है।सरकार द्वारा हर जगह बड़े-बडे बैनर,पोस्टर लगाकर विकास की वाहवाही लूट रही है।मगर पोस्टर,बैनर और कागजो पर विकास की बात छोड़ अगर जमीनी हकीकत की बात की जाए तो नजारा कुछ और दिख रहा।बृहस्पतिवार को अखंड भारत संदेश टीम ने प्रतापपुर विकास खंड के आरा खुर्द में लाखों रुपये खर्च करके बनाई गई पीएचसी केंद्र का जायजा लिया तो डॉक्टरों का तो कुछ पता नही मगर पीएचसी भवन के चारो तरफ झाड़ियां ही झाड़ियां देखने को मिली जहाँ कोई कभी चिकित्सक आता ही नही दवा और ईलाज तो दूर की बात है।

शिकायत के बाद भी कोई सुनवाई नही-ग्राम प्रधान

आरा खुर्द के ग्राम प्रधान सईद अहमद ने बताया उनके द्वारा इस सम्बंध में लिखित शिकायत देने के बावजूद भी आजतक कोई कार्यवाही नही हुई उन्होंने कहा क्षेत्र के विधायक,सांसद तक बात पहुचाई गयी मगर किसी ने ध्यान नही दिया।ग्रमीणों को सामान्य जाँच और दवाओं के लिए भी सीएचसी प्रतापपुर जाना होता है।

डॉक्टर कभी दिखे नही साहब!

बातचीत में ग्रामीण महिलाओं ने बताया साहब आज तक कोई डॉक्टर कभी नही दिखे।इतना खर्च करके बना पीएचसी केंद्र केवल शो-पीस बनकर रह गया है।डॉक्टर कब बैठेंगे यह तो भगवान ही जाने।

बीडीओ को पुष्प भेंट करते विजय राज सिंह पूर्व प्रमुख करछना

बिदाई समारोह में भाउक हुए खंड विकास अधिकारी नवीन गुप्ता

करछना। खंड विकास अधिकारी करछना के पद पर रहे नवीन कुमार गुप्ता का हस्तांतरण होने के पश्चात गुरुवर को ब्लाक करछना के प्रमुख हाल में उनका बिदाई समारोह ब्लाक कर्मियों द्वारा गमगीन माहौल में किया गया । इस मौके पर साथ में कार्य करने वाले सह कर्मियों ने उन्हें उपहार एवं पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया ।विदाई समारोह में अपने सम्बोधन में नवीन कुमार गुप्ता ने भाउक और रुंधे हुए गले से बोलते हुए कहा कि मेरे कार्यकाल के समय किसी को किसी बात पर ठेस पहुंची हो तो क्षमा प्रार्थी हूँ, और सभी सह कर्मियों को आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनायें दी । बिदाई समारोह में उपस्थित प्रमुख लोगों में, खंड विकास अधिकारी करछना जितेन्द्र कुमार, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, एडीओ पंचायत विवेक कुमार मिश्रा, अल्प नारायण सिंह उत्तर प्रदेश सरकार लेखा परीक्षा सेवा एसोसिएशन जनपद ईकाई प्रयागराज, मनरेगा प्रभारी मनीष शुक्ला, एडीओ आई एस बी रामेश्वरम प्रसाद सिंह, पूर्व ब्लाक प्रमुख विजय राज सिंह, संतोष पांडेय, हिमांशु कुमार सिंह प्रधान बसही, धीतेश तिवारी प्रधान संघ महामंत्री ग्राम पंचायत चनैनी, ओपी सिंह पटेल, पंचायत सचिव नेहा रोय, संजीव कुमार श्रीवास्तव, सचिव मनीष यादव, सचिव महेश कुमार, प्रभारी आवास बाबू, प्रभारी समाज कल्याण, संजय कुमार रोजगार सेवक, मोहम्मद फिरोज, संजय यादव, रवी चंद्र, अरविंद कुमार, प्रधान संघ अध्यक्ष करछना अवतार किशन सिंह एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में ब्लाक प्रधान, बीडीसी सदस्यों सहित ब्लाक कर्मी मौजूद रहे ।

आपूर्ति विभाग के भ्रष्टाचार के खेल से लोगों में आक्रोश

अखंड भारत संदेश

कोराव। विकासखंड कोरांव में आपूर्ति विभाग द्वारा इस समय बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। ग्राम अल्हवा सहित प्रत्येक गांव के कोटेदारों के द्वारा जहां घटतौली की जा रही है। वहीं अंगूठा लगवाने के बाद भी पात्र कार्ड धारकों को राशन नहीं दिया जा रहा है। जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। कोलसरा गांव का हाईप्रोफाइल मामला 4 दिन बीत जाने के बाद भी कोई जांच अधिकारी जांच करने नहीं पहुंचे। जिसको लेकर ग्रामीणों में बेहद आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि अगर कोटेदार के विरुद्ध कार्रवाई नहीं की गई तो हम लोग जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे।

पति की लंबी आयु के लिए सुहागिनों ने रखा निर्जला व्रत

भगवान शिव की घर घर मे हुई पूजा अर्चना

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। पति परमेश्वर की लंबी आयु के लिए समुचें क्षेत्र की महिलाओं ने गुरुवार को निर्जला व्रत रखा। रात में पूजा अर्चना के बाद पति की सुहागिनों ने पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस व्रत में सुहागिनों ने बिना जलपान के व्रत रखकर ईश्वर से वरदान मांगा।

दरअसल, तीज पर्व के इंतजार की घड़ी खत्म होने के बाद गुरुवार के तीज पर सुहागिनों ने पति की लंबी आयु के लिए सुबह से ही निर्जला व्रत रखा। दिन भर बिना जलपान के भगवान शिव से प्रार्थना कर रही सुहागिनों ने रात में पूजा अर्चना के बाद पतियों की भी पूजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बतादें की सेंट पीटर स्कूल की प्रिंसिपल अंकिता खेरा बताती हैं कि इस व्रत पर सुहागिनें पति की लंबी आयु के लिए निर्जला व्रत रखती है। इसके बाद दिन भर के व्रत के बाद रात में सृंगार के समान सहित पूजा अर्चना के बाद अगले सुबह सुहागिनों का व्रत गोपनीय स्नान व चांद तारे के दर्शन के बाद पूर्ण होता है। तीज का व्रत वर्ष में एक बार रखा जाता है। यह व्रत सुहागिनें तीन प्रकार से रखती है। जिसमे पहला व्रत निर्जला, दूसरा फलदारी व तीसरा पूजनी जलपान होता है। उन्होंने बताया कि निर्जला व्रत में बिना पानी के ही सुहागिनों को व्रत रखना पड़ता है। दूसरे फलदारी व्रत में स्नान व पूजा के बाद सुहागिनें फल ग्रहण करती है और तीसरे पूजनीय व्रत में पूजा अर्चना के बाद सुहागिनें खानपीन फल ग्रहण करती हैं। बताया जाता है कि 24 घण्टे के उपवास के बाद अगले सुबह पारण होता है।

हरितालिका तीज :सुहागिनों ने पति के लंबी उम्र कामना के लिए रखा व्रत

हरितालिका तीज पर सामूहिक रूप से पूजन करती महिलाएं

जारी। हरितालिका तीज पर सुहागिनों ने पति के लंबी उम्र की कामना के लिए निर्जला व्रत भी महिलाओं ने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए व्रत किया. मान?यता है कि हरतालिका तीज व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. माता पार्वती ने शंकर भगवान को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था. मान्यता है कि माता पार्वती के इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और इस दिन पार्वती जी की अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया.जारी क्षेत्र के बाबा गोविंद दास हनुमान मंदिर में व्रती महिलाओं ने पूजा-अर्चना की. हनुमान मंदिर में पूजा करने सुहाग के सारे सामान और फलों के साथ पहुंची खुशबू केसरवानी ने बताया कि वे पहली बार ये व्रत कर रही हैं. उनकी दो साल पहले शादी हुई है. उन?होंने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर व्रत किया था. यही वजह है कि महिलाएं निर्जला व्रत कर पति के लंबी उम्र की कामना करती हैं पांच साल से पति के दीघार्यु के लिए व्रत कर रहीं सुनीता केसरवानी कहती हैं कि वि?धि-विधान से एक स?ताह से इस व्रत की तैयारी करते हैं. पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत किया जाता है. उन?होंने बताया कि भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष रूप से पूजा-अर्चना की जाती है. उन?होंने बताया कि इस व्रत में (डलिया जिसमें सुहाग का सारा सामान और सामथ?य के अनुसार फल) छूने की परम?परा है. महिलाएं डाल छूकर अर्पित करती हैं. गुजिया और पंजीरी बनाने का भी खासा महत?व है.हरितालिका तीज भाद्रपद के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाई जाती है. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है. हरतालिका तीज को कई जगहों पर तीजा के नाम से भी जाना जाता है. इस दिन सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं. ये व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है. हरितालिका तीज हरियाली और कजरी तीज के बाद मनाई जाती है. हरतालिका तीज व्रत में जल ग्रहण नहीं किया जाता है. अगले दिन सुबह पूजा के बाद जल पीकर व्रत खोलने का विधान है.हरतालिका तीज व्रत एक बार शुरू करने पर फिर इसे छोड़ा नहीं जाता है. हर साल इस व्रत को पूरे विधि-विधान से करना चाहिए. हरतालिका तीज व्रत के दिन रात्रि जागरण किया जाता है. रात भर जागकर भजन-कीर्तन करना चाहिए. हरतालिका तीज की पूजा सूर्यास्त के बाद प्रदोषकाल में की जाती है. इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की बालू, रेत और काली मिट्टी की प्रतिमा हाथों से बनाई जाती है.पूजा स्थल को फूलों से सजाकर एक चौकी रखकर उस पर केले के पत्ते बिछाएं और भगवान शंकर, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित किया जाता है. इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश का षोडशोपचार पूजन होता है. हरतालिका तीज की पूजा में शिव जी को धोती और अंगोछा चढ़ाया जाता है. बाद में यह सामग्री किसी ब्राह्मण को दान किया जाता है. तीज की कथा सुनने के बाद रात्रि जागरण किया जाता है. आरती के बाद सुबह माता पार्वती को सिंदूर चढ़ाया जाता है और उसके बाद हलवे का भोग लगाकर व्रत खोला जाता है.हरितालिका तीज पर माता पार्वती और भगवान शंकर की विधि-विधान से पूजा की जाती है. इस व्रत को रखने से अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होती है. कुंवारी कन्याएं भी अच्छे वर की कामना के लिए ये व्रत रखती हैं. हरतालिका तीज व्रत भगवान शिव और माता पार्वती के पुनर्मिलन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है. माता पार्वती ने शंकर भगवान को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया. माता पार्वती के इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और पार्वती जी को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया. तभी से अच्छे पति की कामना और पति की लंबी आयु के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

पति के दीघार्यु होने की कामना महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर किया

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। हरितालिका तीज का पर्व शंकरगढ़ क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव,माता पार्वती एवं भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना कर पति के दीघार्यु एवं घर परिवार में सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की। वहीं कन्याओं ने भी व्रत रख कर पूजा अर्चना की।

सुहागिन महिलाओं ने नियमों का पालन करते हुए अखंड सौभाग्यवती का पर्व हरितालिका तीज श्रद्धा पूर्वक एवं हर्षोल्लास हर्षोल्लास से मनाया। महिलाओं ने पति की दीघार्यु के लिए 24 घंटे का निर्जला व्रत रखा। इस अवसर पर कुंवारी युवतियों ने भी व्रत रख कर अच्छे वर की कामना की। शंकरगढ़ के पुरानी बाजार, सदर बाजार, लाइनपार, सिंधी टोला, शिवराजपुर, नारीबारी, बारा आदि इलाकों में शाम से ही सुहागिन महिलाओं ने सिंगार करके विधि विधान के साथ शिव पार्वती का पूजन अर्चन किया। इस अवसर पर महिलाओं ने कई तरह की डिजाइन की मेहंदी लगाई, गीत गाया और मां पार्वती व महादेव की पूजन अर्चन कर कहानी सुनीं।

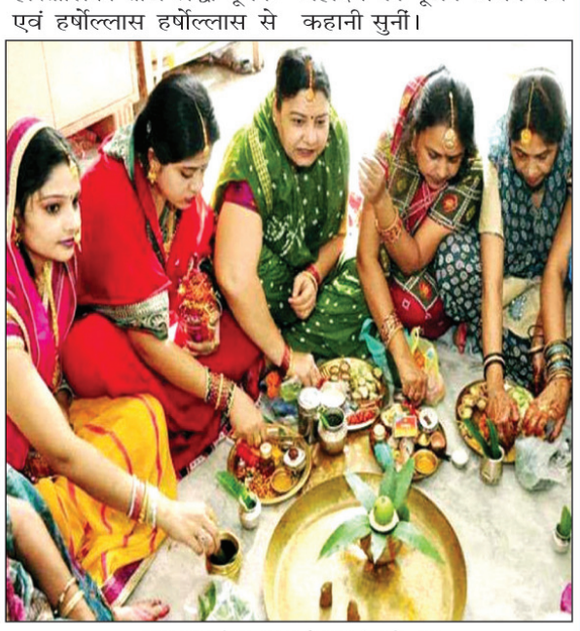

शंकर गढ़ में पूजन अर्चन करती महिलाएं

खबर संक्षेप

योगेश योगी और प्रीतम पांडेय बने भाजपा जिला उपाध्यक्ष

कोरांव। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष पद पर योगेश कुमार मिश्र उर्फ योगी एवम प्रीतम पांडेय को बनाया गया। पार्टी कार्यालय भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडेय द्वारा जारी सूची के अनुसार उक्त पदाधिकारियों के अलावा कई अन्य पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया है। पार्टी कार्यकताओं में उक्त युवा नेताओं के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने से हर्ष व्याप्त है तथा लोगों ने बधाई भी दी

प्रयागराज में महामहिम के आगमन पर कई इलाकों में हाई अलर्ट

अखंड भारत संदेश

पतंग उड़ाने ड्रोन के संचालन पर भी 12 तक लगा रोक

प्रयागराज। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रयागराज आगमन के मद्देनजर सुरक्षा के दृष्टि से 10 से 12 सितंबर तक सर्किट हाउस, उच्च न्यायालय, पोलो ग्राउंड एवं बमरौली एयरपोर्ट एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों को हाई सेक्योरिटी जोन घोषित कर दिया गया है। इन इलाकों में पतंग उड़ाने एवं ड्रोन के संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

अपर जिलाधिकारी नगर अशोक कुमार कनौजिया के अनुसार 11 सितंबर को राष्ट्रपति के प्रस्तावित प्रयागराज भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखकर 10 से 12 सितंबर तक सर्किट हाउस, उच्च न्यायालय, पोलो ग्राउंड एवं बमरौली एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में पतंग उड़ाने एवं ड्रोन के संचालन पर प्रतिबंध रहेगा।

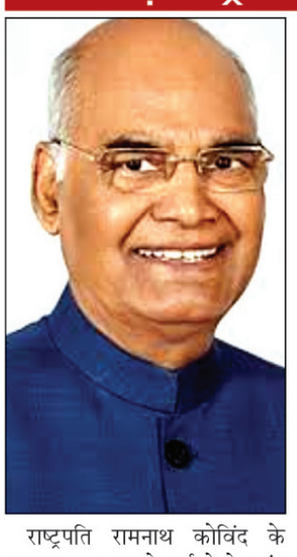

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के प्रयागराज आगमन के पूर्व पोलो ग्राउंड में रिहर्सल के लिए सेना का हेलीकॉप्टर उतारा गया। साथ ही पूरे ग्राउंड की स्निफड डॉग के द्वारा पूरे ग्राउंड की जांच कराई गई। राष्ट्रपति की सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके को सील कर दिया गया गया है चारों तरफ गहन छानबीन की जा रही है।

पोलो ग्राउंड में रिहर्सल के दौरान उतरा हेलीकॉप्टर

राजस्व टीम के सीमांकन के बाद भी पुलिस काम को कर रही अवरोध

घूरपुर। घूरपुर थाना क्षेत्र के करमा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्रामसभा पंवर में निमार्णाधीन मकान को कर्मा पुलिस चौकी प्रभारी द्वारा गुरुवार के दिन एक बार फिर रोक दिया गया। जबकि निमार्णाधीन जमीन पर बन रहे मकान का सीमांकन दो बार किया जा चुका है। तहसील दिवस में जिलाधिकारी ने पुलिस की मदद से मकान बनवाने का आश्वासन दिया था, इसके लिए पुलिस की मदद का भी आश्वासन दिया था। इसके बाद भी पुलिस पुलिस बार-बार काम को रुकवा रही है।

विगत तहसील दिवस में दलित महिला ने फरियाद लगाई थी, जिस पर जिलाधिकारी ने पुलिस की मदद से मकान बनावाने का आश्वासन दिया था। इसके पहले उप जिला अधिकारी करछना ने निर्माण कार्य को सही बताया था। इसके लिए लिखित से घूरपुर पुलिस को दिया गया था। उसके बाद राजस्व निरीक्षक करमा वैशाली शुक्ला व राजस्व टीम ने पंवर गांव स्थित आरजी नंबर 245 जमीन का दो-दो बार सीमांकन किया गया। इधर मकान पर काम शुरू किया गया था कि गुरुवार के दिन कर्मा पुलिस चौकी प्रभारी अमित कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे और व दलित महिला रीता देवी के निमार्णाधीन मकान को रुकवा दिया गया। जिससे उसका सामग्री भी खराब हो गई। जबकि वहीं करमा पुलिस सीमांकन के दौरान मौजूद थी। दलित महिला रीता देवी पत्नी बांकेलाल भारतीया ने बताया कि जान बूझकर बार-बार करमा पुलिस परेशान कर रही है।

काशी विश्वनाथ मंदिर-मस्जिद विवाद : ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगाई रोक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने वाराणसी में ज्ञानवापी स्थित काशी विश्वेश्वरनाथ मंदिर मस्जिद विवाद को लेकर जिला अदालत में 1991 से विचाराधीन दीवानी मुकदमे की सुनवाई प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि दीवानी मुकदमे की पोषणीयता को लेकर यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की याचिका पर हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर रखा है, जिसकी जानकारी अधीनस्थ अदालत को है। ऐसे में न्यायिक अनुशासन का पालन करते हुए सिविल कोर्ट को मंदिरों का सर्वे कराने की अर्जी तय नहीं नहीं करनी चाहिए। कोर्ट ने याचिका पर केंद्र सरकार व अन्य विपक्षियों को तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड व अंजुमन इंतजामिया मस्जिद वाराणसी की तरफ से दाखिल याचिकाओं पर दिया है। मामले के तथ्यों के अनुसार 15 अक्तूबर 1991 को स्वयंभू विश्वेश्वरनाथ मंदिर की तरफ से वाराणसी में सिविल जज जूनियर डिवीजन के समक्ष दीवानी मुकदमा दाखिल किया। जिसमें प्लाट संख्या 9130 मौजा शहर खास के दो हिस्सों का हवाला दिया गया है। इसमें एक पुराना ज्ञानवापी मंदिर, तहखाना, चार मंडप, ज्ञान कूप, मूर्तियां व पेड़ पर हिन्दुओं के आधिपत्य एवं उत्तरी गेट पर नौबतखाना व मस्जिद के दावे पर सवाल उठाए गए हैं।यह भी दावा किया गया है कि इस्लामिक कानून में विवादित स्थल पर मस्जिद नहीं हो सकती। औरंगजेब उसका स्वामी नहीं है। सतयुग से आजतक स्वयंभू ज्योतिर्लिंग की प्रतिमा है, जिसे हटाया नहीं जा सकता। बोर्ड ने आपत्ति की कि उपासना स्थल विशेष उपबंध कानून 1991 के अंतर्गत विवादित उपासना स्थल को लेकर दीवानी मुकदमा दाखिल नहीं किया जा सकता। वर्ष 1947 की स्थिति में परिवर्तन नहीं किया जाएगा। सिविल जज ने मुकदमा खारिज कर दिया। इस आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण अर्जी मंजूर कर ली गई। मुकदमे की सुनवाई शुरू होने पर हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। कोई स्थगनादेश न होने से अधीनस्थ अदालत में सर्वे कराने की अर्जी की सुनवाई करते हुए पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को पूरे क्षेत्र का सर्वे करने का आदेश दिया। इसमें एक बीघा 9 विस्वा 6 धुर जमीन को चिन्हित करने, नक्शा बनाने और मूर्तियों की स्थिति दर्शाने का आदेश दिया गया है। साथ ही तहखाने का निरीक्षण करने को कहा गया है, जिसे इन याचिकाओं में चुनौती दी गई है। याचिकाओं की अगली सुनवाई आठ अक्तूबर को होगी।

विभिन्न संगठनों के नेताओं ने पीड़ित परिवारों को बंधाया ढांढस

रोते बिलखते मृतक के परिजन

गांव में दलित की हत्या पर प्रशासन के छूटे पसीने

फूलपुर। बहादुरपुर विकासखंड के सेमरा गांव में बुधवार शाम को दबंगों द्वारा अधेड़ की हत्या किए जाने व रात में शव पुलिस से छीन कर गायब किए जाने के बाद रात भर पुलिस प्रशासन के पसीने छूट गए। सुबह किसी तरह प्रशासन के मान मनौव्वलल व स्थानीय विधायक प्रवीण पटेल के हस्तक्षेप पर पुलिस ने हत्या आरोपियों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज राहत की सांस ली।गुरुवार दोपहर पीड़ित परिवार के घर सैकड़ों की भीड़ जमा रही ।वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। बुधवार को ग्राम रोजगार सेवक के पिता की हत्या पर बहादुरपुर विकासखंड के सेमरा गांव में गुरुवार को परिजनों को सांत्वना देने पहुंचे विभिन्न संगठनों के नेताओं ने चौबीस घंटे के अंदर हत्यारोपियों को गिरफ्तार करने व पीड़ित परिवार को दस लाख रूपए मुआवजा देने की मांग की। गुरुवार को ग्राम रोजगार सेवक संगठन के पदाधिकारियों के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पटेल व मंडल अध्यक्ष विजय चंद्र विश्वकर्मा ने उच्च अधिकारियों को घटना से अवगत कराते हुए आरोपियों को अविलंब गिरफ्तार करने के साथ ही शासन से मृतक के परिजनों को दस लाख रूपए मुआवजा देने की मांग की। मृतक के बड़े बेटे अनिल कुमार सरोज ने बताया कि बुधवार की शाम वह विकास खण्ड मुख्यालय से घर वापस आ रहा था तभी गांव के ही जितेन्द्र कुमार,शोभित सिंह व करन सिंह बाइक रूकवाकर पिटाई करने लगे। जानकारी होने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो दबंगों ने फायरिंग करते उसके पिता की हत्या कर दी। पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंचे जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने बताया कि घटना से आक्रोशित ग्राम रोजगार सेवक संगठन पुलिस द्वारा अविलंब गिरफ्तारी न करने पर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक का घेराव कर सभी ब्लाकों में तालाबंदी करने का काम करेंगा। मौके पर ब्लाक अध्यक्ष बहादुरपुर पंकज पटेल, राजेन्द्र दोहरे, दिलीप सरोज,पवन कुमार, अमरेन्द्र सिंह, अशोक सरोज, विकास मधुकर, दिनेश कुमार,अरूण पाण्डेय, कोमल सरोज, अनिल कुमार यादव सहित सैकड़ों की संख्या में ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

गंगा चौपाल लगा कर मनाया आजादी का अमृत उत्सव

अखंड भारत समझाइए

प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव व गंगा संरक्षण के अंतर्गत जिला गंगा समिति एवं नेहरू युवा केंद्र (नमामि गंगे परियोजना) प्रयागराज के संयुक्त प्रयास से मंगलवार का ब्लाक सैदाबाद के गंगा गाँव दुमदमा में गंगा एवं उसकी सहायक नदिया और जैव विविधता पर कार्यशाला पर चौपाल लगा कर जागरूकता कार्यक्रम रखा गया ' कार्यक्रम का आयोजन प्रभागीय वन निदेशक रमेश चंद्र जी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया ' कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह द्वारा किया गया ' कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भारतीय वन्य जीव संस्थान से फील्ड इंचार्ज के पी उपाध्याय,सामुदायिक अधिकारी हेमा पंत, प्रियंका और वन विभाग से हंडिया रेंजर अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव व राम निरंजन बिंद मौजूद रहे ' भारतीय वन्यजीव संस्थान की टीम ने गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के स्वच्छता एवं उनके बचाव को लेकर जानकारी दी और साथ ही उसमें जीवन यापन करने वाले जलीय जीवो के संरक्षण हेतु लोगों को बताया गया ' जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने पर्यावरण मे फेके जाने वाले कचरा ,प्लास्टिक का हानिकारक दुष्प्रभाव पर चर्चा की और कचरा प्रबंधन, चित्रमय चार्ट से लोगों को जानकारी दी ' डीपीओ द्वारा दूरदर्शन इंडिया पर प्रसारित होने वाला रग-रग में गंगा कार्यक्रमर के बारे में सभी लोगों को जानकारी दी गयी व देखने हेतु प्रोत्साहित किया गया ' सभी ग्रामीणों ने उत्साह के साथ गंगा स्वछता पर नारे बाजी करके गंगा घाट तक रैली निकली ' गंगा स्वछता शपथ लेकर कार्यक्रम का समापन किया गया 'कार्यक्रम में वन दारोगा विनोद कुमार, राजेंद्र कुमार पटेल, सुरेश कुमार सुरेश कुमार उपस्थित रहे एवं गंगा पहरी, गंगा दूत राहुल , राम मिलन निषाद, राम अभिलाष , सुनील का विशेष योगदान रहा।

सैदाबाद के गंगा गाँव दुमदमा में गंगा एवं उसकी सहायक नदियां तथा जैव विविधता पर चौपाल में बोलतीं वक्ता

भाजपा सहसों मंडल कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

सहसों। भारतीय जनता पार्टी मंडल सहसों गंगापार प्रयागराज सहसों मंडल की कार्यकारिणी बैठक गुरुवार को सुखदेव सिंह महाविद्यालय हसनपुर कसेरूआ में आयोजित किया गया। इस बैठक का शुभारंभ दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके दीप प्रज्वलन के पश्चात वंदे मातरम् , राष्ट्रीय गीत के गायन के पश्चयात आए हुए मुख्य अतिथियों का माला पहना कर के स्वागत सम्मान किया गया । बैठक में बतौर मुख्य अतिथि फूलपुर विधानसभा के प्रभारी हौसला प्रसाद पाठक जी ने सहसो मंडल के मंडल पदाधिकारी, शक्ति केन्द्र प्रभारी एवं शक्ति केन्द्र संयोजकों का परिचय लिया। इसके साथ ही उन्होंने आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के लिए संगठन के कार्यकताओं के द्वारा तैयार रहने के लिए कहा । बैठक में उपस्थित भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं का बखान करते हुए कहा कि एक बूथ अध्यक्ष भी जिला अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंच सकता है यह खूबी सिर्फ भारतीय जनता पार्टी में है। मंडल प्रभारी मृगेंद्र सिंह एवं फूलपुर ब्लॉक प्रमुख वीपेन्द्र सिंह ने भी अपने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा हम सभी को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए हर संभव तन मन से कर्तव्य निष्ठा से अभी से तत्पर रहना है। बैठक की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार सरोज ने किया। संचालन मंडल महामंत्री पवन कुमार शुक्ला ने किया । इस अवसर पर मुख्य रूप से विधानसभा विस्तारक विकास राय, वरिष्ठ नेता चन्द्रेश केसरवानी, मनोज तिवारी, सत्यम त्रिपाठी उर्फ बीके, महेश सिंह, महामंत्री संजय सिंह, राजकुमार जयसवाल, शंकरलाल, पुष्कर सिंह, नरेंद्र कुशवाहा, मीडिया प्रभारी राम शुक्ला, अनिल कुमार पटेल, दया सिंह, विमल मिश्रा, मोहम्मद नसीम, सुभाष शुक्ला, जय प्रकाश दुबे, राजधर दुबे , संतोष सिंह सहित आदि लोग मौजूद रहे।

सहसों बैठक में शामिल कार्यकारिणी के सदस्य

दुस्साहस,लेखपाल,कानूनगो,ने लालच में आकर जिंदा को कर दिया मुर्दा

अखंड भारत संदेश

ग्राम अल्हवा का कास्तकार देवघाट के लघु कृषक महिला की भूमि का मामला

कोरांव। तहसील कोरांव में किसी न किसी दिन सम्पत्ति को ऐंठने के लिए जीवित को मृतक दिखा कर अभिलेखों में अपने नाम चढ़वा लेने आदि के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। लेकिन धोखाधड़ी के खिलाफ ठोस कार्यवाही न होने से उनके होंसले बुलंद हैं। और गरीब न्याय के लिए दर दर की ठोकरें खाने को विवस और भटकते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि मालती देवी पत्नी सुखलाल पाल निवासी महुली की ग्राम देवघाट में एकबीघा भूमि है। जिसे ग्राम देवघाट के लेखपाल ने अपने रिश्तेदार ग्राम अल्हवा निवासी सुखलाल पटेल पुत्र पन्ना लाल पटेल की भूमि में वरासत दर्ज करा दी। क्योंकि सुखलाल पटेल की पत्नी का भी नाम मालती था और वह मर चुकी थी। यह वरासत फरवरी माह में वर्ष २०२० में की गई। तीन दिन पूर्व जब मालती देवी सहज जन सेवा केंद्र पर खतौनी नकल लेने गई तो पता चला कि मैं मृतक हो चुकी हूं। उसके पैर तले जैसे जमीन ही खिसक गई। इसकी शिकायत तहसीलदार कोराव से की गई तो उन्होंने कानूनगो लेरियारी को जांच कर आख्या देने का निर्देश दिया। इस संबंध में मालती देवी तथा सामाजिक कार्यकताओं में मुख्य मंत्री जिलाधिकारी से तत्काल लेखपाल,कानूनगो, कास्तकार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर करवाई किए जाने की मांग की। जिससे भविष्य में ऐसी धोखाधड़ी किसी के साथ न हो सके। इस संबंध में उप जिलाधिकारी कोरांव अभिनव कनोजिया से प्रथिमिकी दर्ज किए जाने की अपेक्षा की गई तो कार्यवाही की हामी भरी।

कोलकाता के पर्यटक की बुलेट लूटने वाले दो गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

झूंसी के शेरडीह से बरामद हुई बुलेट

बुलेट मिलने से खुशी से झूम पड़े शशांक

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित सूर्यसेन रोड के रहने वाले शशांक प्राइवेट स्कूल में अध्यापक हैं। उन्हें घूमने का बहुत शौक है। वे अपने बुलेट से भारत के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर चुके हैं। बुलेट लूटे जाने के बाद वह काफी निराश थे। इंस्पेक्टर थरवई कुशलपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को जब उनसे मोबाइल पर बुलेट मिलने की सूचना दी तो वह खुशी से चीख पड़े। उन्होंने कहा कि इस घटना से वह इतना दुखी थे कि अब कहीं भी न जाने की कसम खा लिए थे, लेकिन अब वह फिर भ्रमण करेंगे।

प्रयागराज। लेह लद्दाख से वापस लौट रहे पर्यटक शशांक मजूमदार का बुलेट लूटने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से बुलेट, पैकिंग बैग तथा अन्य सामान भी बरामद हो गया। 28 अगस्त को घटना वाली रात बदमाशों ने वकील और लेखपाल के साथ लूट की वारदातों को अंजाम दिया था। दोनों घटनाओं का भी खुलासा हो गया है। वकील के दोनों मोबाइल बरामद कर लिए गए। इस मामले में अभी तीन आरोपी फरार हैं। उनकी तलाश में दबिश दी जा रही है। पश्चिम बंगाल के कोलकाता के सूर्यसेन रोड के रहने वाले शशांक मजूमदार अपने एक साथी के साथ बुलेट से जम्मू कश्मीर और लेह-लद्दाख के भ्रमण के लिए निकले थे। दोनों अलग अलग बुलेट से थे। भ्रमण के बाद वे वापस लौट रहे थे। 28 अगस्त की रात शशांक बुलेट से थरवई पहुंचे। यहीं हाईवे पर तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। शशांक को तमंचा सटाकर उनका बुलेट, मोबाइल और पर्स लूट लिया गया। उनका पैकिंग बैग बुलेट पर ही बंधा था। बदमाश बुलेट से भाग निकले थे। घटना के समय शशांक के दोस्त पीछे थे। वह जब पहुंचे तो बदमाश भाग चुके थे। दोस्त के मोबाइल से पुलिस को सूचना दी गई। एफआईआर दर्ज कराने के बाद शशांक वापस कोलकाता चले गए थे। घटना के खुलासे में जुटी पुलिस को कुछ दिन एक सुराग मिला। बदमाशों ने लूट के बाद बुलेट झूंसी के शेरडीह के रहने वाले लालजी यादव के घर खड़ा कर दिया था। पुलिस लाल जी तक पहुंच गई। इसके बाद खुलासा हुआ कि घटना को विपिन पासी, आकाश यादव और महेंद्र उर्फ फुल्लर सरोज ने अंजाम दिया था।

लूटे गए सामानों को लाल जी यादव और राजेंद्र कुमार के यहां रखा गया था। पुलिस ने आज लालजी और विपिन को गिरफ्तार कर लिया। आकाश, महेंद्र और राजेंद्र की तलाश में दबिश दी जा रही है। उनके पास से बुलेट, पैकिंग बैग, तमंचा और तीन हजार भी बरामद हुआ है। इंस्पेक्टर कुशल पाल सिंह ने बताया कि बदमाशों ने उसी रात एक वकील और लेखपाल को भी लूटा था। वकील के दोनों मोबाइल और लेखपाल से लूटे गए रुपये बरामद हो गए हैं।

एस. आर. सिंह आर. बी. सिंह महाविद्यालय
मोतिहां, हण्डिया, प्रयागराज

आवश्यता है

बी. एड.-संकाय हेतु - विभागाध्यक्ष-01 पद

सहायक आचार्य - वनस्पति/जन्तु विज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - मनोविज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - (भूगोल/इतिहास) 01 पद
सहायक आचार्य - (आधारिक विषय शिक्षाशास्त्र) 01 पद

परस्नातक कला कक्षाओं हेतु - सहायक आचार्य-हिन्दी - 01 पद

सहायक आचार्य - संस्कृत- 01 पद
सहायक आचार्य - समाजशास्त्र - 01 पद
सहायक आचार्य - प्रा.भा.इतिहास - 02 पद

स्नातक कला संकाय हेतु - सहायक आचार्य-हिन्दी साहित्य - 01 पद

सहायक आचार्य - गृहविज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - समाजशास्त्र - 01 पद
सहायक आचार्य - शिक्षाशास्त्र- 01 पद

स्नातक विज्ञान संकाय हेतु - सहायक आचार्य-गणित - 01 पद

सहायक आचार्य - भौतिक विज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - रसायन विज्ञान - 01 पद
सहायक आचार्य - वनस्पति विज्ञा- 01 पद

वाणिज्य संकाय हेतु - सहायक आचार्य- 02 पद

योग्यता एवं वेतन एन.सी.टी.ई./राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के मानका अनुसार आवेदन की अंतिम तिथि विज्ञापन के 15 दिन के अन्दर ।

मो.: 8853264243

प्रबन्धक
राम बहादुर सिंह

कोलसरा कोटेदार की मनमानी के विरोध में ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

बच्चों को राशन वितरण में की जा रही थी घटतौली, अभिभावकों ने स्कूल कक्ष में जड़ा ताला, प्रधानाध्यापक को भी तरह तरह की दी धमकी, कहा देता हूं तहसील में माहवारी,जो करना हो कर लो

एसडीएम ने तहसील मंगवाया कांटा

हंगामे के चौथे दिन ग्राम प्रधान राजेश चौहान जब पुनः अपनी फरियाद करने तहसील पहुंचा तो मौखिक रूप से ही निर्देश देकर उप जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक कृष्ण कुमार मिश्र से स्कूल कक्ष में जब्त किए गए कांटे को तहसील मुख्यालय मंगवा लिया। जब ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ग्रामीणों के साथ कांटा लेकर तहसील मुख्यालय पहुंचे तो न तो उपजिलाधिकारी और न ही आपूर्ति निरीक्षक न ही कोई जिम्मेदार अधिकारी वार्ता की और कांटा को सुपुर्दगी में लिया। एसडीएम ने एस टी बाबू के सुपुर्दगी में कांटे को वीडियो रिकॉर्डिंग के साथ रखवा दिया। ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ने 5 किलो वाट के साथ तौल करवाई जब 5 किलो बाट कांटे पर रखा गया तो वह 5 किलो 170 ग्राम बताया। जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ने रखी है। इतना ही नहीं ग्राम प्रधान एवं प्रधानाध्यापक ने तरह-तरह की धमकियां दिए जाने का भी आरोप लगाया है। ग्राम प्रधान ने खुद कहा एसडीएम ने मुझे धमकाया कि कांटा कोटेदार को दे दो नहीं तो मुकदमा लिखवा दिया जाएगा। इसी प्रकार प्रधानाध्यापक ने भी कहा कि अधिकारियों के द्वारा मेरे ऊपर भी दबाव बनाया जा रहा है।

कोरांव। कोरांव क्षेत्र में आपूर्ति विभाग के भ्रष्टाचार की जड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि ग्रामीणों या गांव के मिनी चीफ मिनिस्टर यानी ग्राम प्रधान आदि जनप्रतिनिधियों के द्वारा शिकायत के बावजूद भी चाहे प्रशासनिक अमला हो अथवा विभागीय अधिकारी कोई भी सुनने को तैयार नहीं है। यकीन मानिए कार्यवाही की बात तो बहुत दूर है,आपूर्ति कार्यालय का पूरा मामला कोटेदारों की सुविधा शुल्क से सराबोर हैं। मामला विकासखंड कोरांव के ग्राम पंचायत कोलसरा का है जहां कोटेदार खिलाड़ी राम के द्वारा बच्चों के राशन वितरण में घटतौली की जा रही थी। जिसकी शिकायत अभिभावकों ने की थी, किंतु तहसील प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेंग रहे हैं। मामला पीछले 5 सितंबर का है जहां कोटेदार के द्वारा स्कूल परिसर में ही छात्रों को राशन वितरित किया जा रहा था। प्रत्येक छात्र को 4 किलो 600 ग्राम गेहूं व 9 किलो 200 ग्राम चावल दिया जा रहा था। कोटेदार के कांटे पर तौले गए राशन को जब दूसरे कांटे पर तौला गया तो 4 किलो 600 ग्राम गेहूं के बजाय 2 किलो 600 ग्राम ही गेहूं ठहरा। जिस बात को लेकर स्कूल परिसर में हंगामा हो गया। हंगामे की सूचना पर ग्राम प्रधान भी पहुंच गये। देखते ही देखते ग्रामीणों व कोटेदार के मध्य वाद विवाद बढ़ गया और ग्रामीणों ने दोनों काटों को स्कूल परिसर के कक्ष में रखकर बाहर से ताला बंद कर दिया। मामले की शिकायत ग्रामीणों एवं ग्राम प्रधान के द्वारा उप जिलाधिकारी कोरांव अभिनव कनौजिया से की गई किंतु ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों का आरोप है कि बीते 5 सितंबर को शिकायत की गई और 9 सितंबर तक कोई भी सक्षम अधिकारी जांच पड़ताल व कार्यवाही के लिए नहीं पहुंचे जिसको लेकर ग्रामीणों में रोष देखा गया। 5 सितंबर के हंगामे की भी खबर अखबारों में प्रमुखता के साथ छपी थी किंतु कार्यवाही न होने को लेकर कुछ पत्रकार प्रतिनिधियों ने विद्यालय परिसर में पहुंचकर ग्रामीणों एवं छात्रों से जानकारी जुटाई तो छात्रों ने भी बताया कि कोटेदार के द्वारा तौला गया राशन कम था। जिसको लेकर बवाल हुआ था और हम लोगों को महज एक बार ही राशन दिया गया है। हम सभी छात्रों को राशन नहीं दिया गया है। ग्रामीणों ने आज कहा कि जब ग्राम प्रधान व प्रधानाध्यापक की शिकायत पर ही कार्रवाई नहीं की जा रही है तो आम ग्रामीणों की शिकायतों का क्या हाल होता होगा। यह अधिकारियों की उदासीनता से ही सहज ही समझा जा सकता है।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा विधान सभा में खिलाएगा कमल का फूल: सुभाष

अखंड भारत संदेश

आयोजित स्वागत समारोह में पदाधिकारियों ने लिया संकल्प, जनाधार बढ़ाने का कार्य शुरू

घूरपुर। आगामी विधान सभा चुनाव में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा यमुनापार के चारो विधान सभाओं में कमल का फूल खिलाने के कृत संकल्प है। जिसे साकार करने के लिए सभी पदाधिकारी तैयार हो जाए। उक्त बातें पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष यमुनापार सुभाष सिंह पटेल ने अपने मोर्चा के नव नियुक्त पदाधिकारियों के गुरुवार के दिन स्वागत समारोह में स्वागत करने के दौरान कही। आगे कहा कि समूचे यमुनापार में जनाधार बढ़ाने के लिए अभी से सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सामूहिक रूप से लग जाए। कहा कि शीर्ष नेतृत्व के निर्देश को आत्मसात करते हुए नेतृव को आभार स्वारूप चारो विधान सभाओं की जीत भेंट देगी। स्वागत समारोह में यमुनापार की नव नियुक्त टीम पूरी लय मे दिखी। उपाध्यक्ष धर्मपाल सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, धीरेंद्र यादव, अखिलेश सिंह पटेल, धर्मदास मौर्या, सुरेंद्र सिंह,महामंत्रियों में आशीष पाल, डॉ सूर्या यादव सहित राम ललक पटेल, राम देव प्रजापति, संजय पाल, अनुपम सिंह, शिव प्रसाद पटेल सुरेंद्र बहादुर आदि को जिला अध्यक्ष ने माला पहना स्वागत किया। वहीं पदाधिकारियो ने संयुक्त रूप से जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल को भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

सीएमओ की फटकार से जिला मलेरिया अधिकारी की बिगड़ी तबियत

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी की फटकार से जिला मलेरिया अधिकारी की तबियत बिगड़ गई और उनके सीने में दर्द होने लगा। इस पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ के लिये रेफर कर दिया।

आरोप है कि मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द श्रीवास्तव रिपोर्ट बनाने को लेकर जिला मलेरिया अधिकारी राजेश कुमार को कई बार फटकार लगा चुके हैं। आरोप है कि इसी बीच गुरुवार को फिर सीएमओ ने जिला मलेरिया अधिकारी से रिपोर्ट बनाने के लिये कहा, जिस पर रिपोर्ट

बनाने में देरी होने पर उन्हें सीएमओ ने फिर जमकर फटकार लगाई। इस दौरान फटकार से जिला मलेरिया अधिकारी की तबियत खराब हो गई और उनके सीने में तेज दर्द होने लगा। इस दौरान उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां हालत में सुधार न होने पर उन्हें लखनऊ के लिये रेफर कर दिया गया। उधर सीएमओ डा0 अरविन्द श्रीवास्तव से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन उनका मोबाइल नहीं उठा।

शहर में हो रही फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव

डेंगू बुखार के संक्रमण से बचने के लिये नगर पालिका कर रही उपाय

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। डेंगू बुखार के संक्रमण तथा मच्छरजनित रोगों से बचाव के लिये नगर पालिका इन दिनों शहर में साफ-सफाई के साथ फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव कर रही है। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि नगर पालिकाध्यक्ष प्रेमलता सिंह व अधिशाषी अधिकारी मुदित सिंह के निर्देशन में शहर में रोज साफ-सफाई के साथ नगर के वार्डों में फागिंग व एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। गुरुवार को शहर के सहोदरपुर पूर्वी व अचलपुर वार्ड में नाले-नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। सफाई कर्मचारी पीठ पर लादकर एक-एक गलियों में नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव करते देखे गयें इसके एक दिन पहले बुधवार की शाम करनपुर, दहिलामऊ उत्तरी, दक्षिणी तथा मकन्द्रूगंज में फागिंग की गई। दो मैजिकों पर बड़ी मशीन से चार वार्डों में धुआं उड़ाती गाड़ियां देर शाम तक दौड़ती रही। सफाई निरीक्षक ने यह भी कहा कि अधिकारियों के निर्देश पर नगर को साफ-सुथरा रखकर संक्रमण से बचाने के लिये इन दवाओं का छिड़काव व फागिंग की जा रही है।

खुद जान जोखिम में डालो, रेलवे हो जिम्मेदार

जान भी जा सकती है, ट्रेन हादसे से नहीं ले रहे सबक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। रेलवे फाटक बंद होने पर भी लोगों की न जाने क्यों जल्दी मची रहती है कि उल्टे सीधे रास्ते का चयन कर लेते हैं। यही चूक उन्हें मौत के मुंह तक ले जाती है। खुद की जान खतरे में डालते हैं। हादसे हो जाने के बाद सारा दोष रेलवे पर मढ़ देते है। लोग अपनी गलती नहीं देख रहें है। शार्ट कट के चक्कर में जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे कुछ लोग जेल रोड क्रासिंग पर गलत तरीक़े से लाइन क्रॉस करते कैमरे में कैद हो गये हैं। इसमें महिला भी शामिल है। वो ऐसा कर रही हैं जिनके कंधों पर पूरे परिवार की जिम्मेदारी होती है।

नगर की जेल रोड और मालगोदाम रेलवे क्रासिंग ट्रेन के समय बंद हो जाती है। उस समय लोग जान की परवाह किये बगैर इधर उधर से लाइन क्रॉस करना शुरू कर देते हैं। उन्हें जाने की इतनी जल्दी रहती है कि ट्रेन के

बंद फाटक रहने पर इधर उधर से निकलने के गलत रास्ते को अख्तियार कर रहे लोग

गुजरने की प्रतीक्षा भी नहीं करते हैं। जिधर भी गुंजाइश दिखाई दी। उधर ट्रैक पर डाल दी अपनी गाड़ी। इन दिनों दो हादसे हुये हैं। जिसमे कार और बाइक ट्रेन से टकराई है। इसके बाद भी लोग जागरूक नहीं हो रहे हैं। इस संबंध में इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि लोग ट्रैक पर भी रास्ता बना लेते हैं। जो गलत है। लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। तभी हादसों पर अंकुश लग सकता है। आरपीएफ का कहना है कि जो लोग भी ऐसा करते पकड़े जाते हैं। उनके खिलाफ रेलवे एक्ट की एफआईआर होती है।

जमीनी विवाद में महिला की हुई लात घूंसों से पिटाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली के शिवबोझ पूरे बंशी निवासी तुलसीराम के पुत्र सुभाषचंद्र गौतम ने कोतवाली मे तहरीर देकर आरोप लगाया है कि मंगलवार की शाम छह बजे पडोसी जमीनी विवाद के चलते उसकी पत्नी को लाठी डण्डों व लाट घूंसो से मारापीटा। बीच-बचाव करने पर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ भी आरोपियो ने मारपीट की। विपक्षियो की पिटाई से उसकी पत्नी बेहोश हो गयी। शोर शराबा होने पर ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह परिजनों की जान बचाई। कोतवाल कमलेश पाल ने बताया कि तहरीर मिली है, जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

हिन्दी पखवाड़ा के तहत छात्र छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं मे किया प्रतिभाग

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर के धधुआ गाजन स्थित आइन्सटीन पब्लिक स्कूल मे हिन्दी पखवाड़ा के तहत कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य जॉनसन जार्ज ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया।

हिन्दी महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यालय की निदेशिका श्रुति शुक्ला ने कहा कि देश की पहचान हिन्दी है और आने वाली पीढ़ी को हिन्दी भाषा को बुलन्दी तक पहुंचाने मे अहम योगदान करना होगा। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण, काव्यपाठ, कहानी, लघु नाटिका, निबन्ध लेखन आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से हिन्दी के बारे मे जानकारी साझा की। इसमें सफल होने वाले छात्र छात्राओं को हिन्दी दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा। कार्यक्रम का संयोजन सत्यप्रकाश विद्यार्थी ने किया। संचालन अशोक ओझा व सुनीता द्विवेदी ने किया। इस मौके पर सौरभ मिश्र, मनोज ओझा, संरक्षक विभवभूषण शुक्ल, प्रतिभा तिवारी, सुदीप्ता चौधरी, अंकिता मिश्र, निधि पाण्डेय, सुषमा मिश्र, कमलेश यादव, सौरभ यादव, काजल सिंह आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक गणेशोत्सव मनाए जाने की तैयारियां पूरी

अखंड भारत संदेश

बाघराय, प्रतापगढ़। बाघराय शिव मंदिर पर क्षेत्रीय व्यापारियों की बैठक रामचरन विश्वकर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई बैठक में बाघराय में सार्वजनिक गणेशोत्सव समारोह मनाए जाने का निर्णय लिया गया सर्व सम्मति से दिलीप पाल को कार्यक्रम संयोजक चुना गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए शुभम केसरवानी एवं सूरज गुप्ता ने बताया कि गणेश पूजा 10 सितंबर को प्रारंभ होगा 20 सितंबर को समापन होगा।

पंचायत मित्र पर धन उगाही का प्रधान ने लगाया आरोप

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय विकासखण्ड के देवापुर की ग्राम प्रधान जग्गू देवी ने बीडीओ को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया है कि पंचायत मित्र द्वारा पीएम आवास, शौचालय, मनरेगा समेत अन्य विकास योजनाओं का लाभ देने के लिए अवैध रूप से वसूली की जा रही है। प्रधान का आरोप है कि पंचायत मित्र द्वारा उसकी मुहर व फर्जी हस्ताक्षर भी कागजातो पर की जा रही है। प्रधान ने बीडीओ से जांच की मांग करते हुए कहा है कि पंचायत मित्र द्वारा विगत पांच वर्षो मे भी फर्जी हस्ताक्षर बनाने, धन उगाही करने व अपने परिचितों को अनुचित लाभ दिया गया है।

हरतालिका तीज पर महिलाओं ने किया गंगा स्नान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़/परियावां। हरतालिका तीज पर महिलाएं दिन भर निराजल का व्रत रखकर गंगा स्नान कर शाम को पूजन किया और अपने पति के दीर्घायु होने की कामना की। बता दें कि महिलाएं दिन भर व्रत रखने के बाद शाम को शिव पार्वती की मूर्ति बनाकर पूजन करती हैं।

इसके पहले कालाकांकर में गंगा स्नान करने वालों की भीड़ रही। हरतालिका तीज के पर्व पर गुरुवार की शाम निर्जला व्रत रखी महिलाओं व किशोरियों ने कालाकांकर के पवित्र गंगाजल में स्नान कर परिवार के सुख सम्रद्धि की कामना किया। स्नान

करने के बाद घरों व मंदिरों में ब्रत रखी महिलाओं ने भगवान शिव शंकर व माता पार्वती की मिट्टी की मूर्ति बनाकर पूजन अर्चन किया।

घरों में रखी मूर्ति को शुक्रवार की सुबह बहती नदी के जल में प्रवाह करेंगी। उसके बाद अपने पति के हाथों से जल ग्रहण कर निर्जला उपवास तोड़ेगी जिसमे घर की किशोरिया भी बढ़ चढ़कर भाग ले रही हैं।

21वीं पुण्यतिथि पर याद किये गये स्व0 राम करन

कार्यक्रम आयोजित कर प्रबंधक व साहित्यकार ने दी श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कुछ लोग अपने जन्म से महान होते हैं। कुछ अपने कर्म एवं उपलब्धियों से महानता अर्जित करते हैं। स्व0 राम करन सिंह ऐसे ही मनीषियों में थे जिन्होंने अपने जीवन काल में अपने सेवा कार्यों से अपार सम्मान प्राप्त किया। उक्त उद्गार बाबू राम करन सिंह मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रमुख समाजसेवी, प्रवक्ता स्व0 राम करन सिंह की 21वीं पुण्य स्मृति दिवस पर दिलराज निकेतन विस्तार भंवरालय मे कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में समारोह के अध्यक्ष प्रवन्धक, साहित्यकार एवं समाजसेवी अनिल प्रताप त्रिपाठी

प्रवात ने कही।श्रद्धांजलि समारोह के मुख्य अतिथि समाजसेवी बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने बाबू राम करन सिंह के ब्यक्तित्व को समाज के लिए प्रकाश स्तंभ और युवाओं के लिए प्रेरणा दायक बताया। श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करने वालों में संतोष भगवन, आचार्य सी एल दुबे, अखिल नारायण सिंह, राज कुमार सिंह प्राचार्य जीआईसी, डा0 जगदीश चन्द्र श्रीवास्तव, आदित्य प्रताप सिंह, डा0 राघवेन्द्र प्रताप सिंह, कुंवर हर्षदेव सिंह, राजेश मणि त्रिपाठी, समाजसेवी वसन्त कुमार, डा0 प्रतीक सिंह, स्वास्तिक सिंह आदि ने बाबू राम करन सिंह के जीवन के प्रेरक प्रसंगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। समारोह में रुद्र प्रताप सिंह, मनमोहन सिंह, रोघयी प्रसाद, रजक, जितेन्द्र कुमार, सौरभ सिंह, पंकज सरोज आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्रद्धांजलि समारोह में आये हुए अतिथियों का स्वागत एवं आभार उनके सुपुत्र डा हरिकेश बहादुर सिंह एवं डॉ चंद्रेश बहादुर सिंह ध्रुव ने किया। संचालन रवीन्द्र कुमार सिंह भाजपा विधानसभा प्रभारी सुल्तानपुर एवं सुरेश नारायण दुबे व्योम ने किया।

चिटफंड कंपनी हुई लापता, निवेशक परेशान

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। चिटफंड कंपनी बनाने वाले एक व्यक्ति ने कई निवेशकों के पैसे इकट्ठा करने के बाद गायब हो गया निवेशक के उसके गायब होने के बाद परेशान हो गए और अदालत में आरोपी के विरुद्ध परिवाद दाखिल किया है। पट्टी नगर में बाईपास के पास एक व्यक्ति ने 2014 में करोड़ों रुपए के निवेश की एक कंपनी खोली जिसमें कस्बे के कई बड़े व्यापारियों ने रुपए निवेश भी किये कई लोगों ने आर डी के नाम पर पैसा भी जमा कराया लेकिन करोना काल में कंपनी लापता हो गई।

पैसा न मिलने और कंपनी के गायब हो जाने के बाद अदालत ने निवेशकों ने निदेशक बोर्ड के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराने की याचिका दाखिल की है। राजेश वर्मा निवासी महदहा, ओमप्रकाश विश्वकर्मा आनापुर, प्रभावती उषा देवी धर्मेंद्र निवासी महदहा समेत सैकड़ों की तादाद में निवेशक चिटफंड कंपनी के दफ्तर का चक्कर काट कर वापस लौट रहे हैं।

छत के रास्ते घुसे चोरों ने उड़ाया नकदी व जेवरात

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली के असैनापुर के रहने वाले भगौती वर्मा के पुत्र रामसुमेर ने लालगंज कोतवाली मे तहरीर देकर कहा है कि बीती आठ सितंबर की रात कुछ लोग उसकी छत के रास्ते घर मे घुस गये। आरोपियो ने उसके शूटकेस व ऑलमारी को तोडकर साढे चार हजार नकदी व हजारों रूपये की कीमत का आभूषण चोरी कर लिया। सुबह घटना की जानकारी होने पर हडकंप मच गया। परिजनों की सूचना पर पुलिस जांच के लिए पहुंची। लेकिन चोरों का कोई सुराग नही लग सका। कोतवाल कमलेश पाल ने बताया कि घटना की शिकायत मिली है, जांच के बाद आरोपियो के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बकरी चोरी की उलाहना देने पर अधेड़ की पिटाई

लालगंज, प्रतापगढ़। बकरी चोरी होने को लेकर उलाहना देने गये अधेड़ की लाठी डंडे व कुल्हाडी से पिटाई कर दी गई। लालगंज कोतवाली के बरीबोझ निवासी रामअधार के पुत्र रबूदी ने रानीगंज कैथौला पुलिस चौकी पर तहरीर देकर कहा है कि गांव के एक व्यक्ति ने बाहरी लोगों की मदद से बकरी चोरी कर लिया। गुरूवार को इसकी शिकायत करने वह अपने भतीजे राहुल के साथ आरोपी के घर गया तो हमलावर हो उठे। आरोपी व उसके परिजनों ने लाठी डंडे व कुल्हाडी से हमला कर उसे व भतीजे को लहूलुहान कर दिया। पुलिस ने छानबीन के बाद कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। उधर पीडित के परिजनों ने लालगंज कोतवाली पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है।

महिला ने सई नदी में लगाई छलांग, लोगों ने बचाया

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। घरेलू कलह से नाराज एक महिला ने बाबा घुइसरनाथ धाम स्थित पुल से सई नदी मे छलांग लगा दी। नदी मे स्नान कर रहे आसपास के युवकों ने महिला को नदी से किसी तरह जीवित बाहर निकाला। सांगीपुर थाना क्षेत्र के उस्मानपुर गंगाराम का पुरवा निवासी अर्जुन वर्मा की पत्नी निशा वर्मा 40 घरेलू कलह से परेशान थी। गुरूवार को पूर्वान्ह ग्यारह बजे महिला ने घुइसरनाथ धाम पुल पर पहुंचकर सई नदी मे आत्महत्या करने की नीयत से छलांग लगा दी। दिनदहाडे महिला को नदी मे कूदते देख आसपास स्नान कर रहे युवको ने मौके पर पहुंचकर किसी तरह उसकी जान बचाई।

आननफानन मे उसे नदी से बाहर निकालकर ग्रामीणों की मदद से सांगीपुर सीएचसी पहुंचवाया गया। अस्पताल मे महिला को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। बताया जाता है कि महिला ने घरेलू कलह के चलते नदी मे छलांग लगाई थी। इस बारे मे सांगीपुर पुलिस ने किसी भी प्रकार की जानकारी से इंकार किया है।

महिला को लाठी डंडो से जमकर पीटा

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। रंजिश के चलते चार आरोपियो ने महिला की जमकर पिटाई करते हुए घर मे रखे कीमती सामानो को तोडकर क्षतिग्रस्त कर दिया। लालगंज कोतवाली के देवरी मोठिन निवासी कडेदीन की पत्नी श्रीमती देवी ने कोतवाली मे तहरीर देकर कहा है कि पहली सितंबर को चार बजे शाम गांव के कुछ लोगों ने ने एकराय होकर रंजिश के चलते उस पर हमला बोल दिया। आरोपियो ने घर मे घुसकर लाठी डंडो से पिटाई करते हुए कीमती सामानो को क्षतिग्रस्त कर दिया। बीचबचाव करने पहुंची पीडिता की पुत्री रोहिनी व मोहिनी को भी आरोपियो ने लहूलुहान कर दिया।

बकायेदार 31 अक्टूबर तक योजना का उठाएं लाभ

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/ जिला प्रबन्धक-अनुगम ने बताया है कि उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लि0 लखनऊ के माध्यम से ऋणों की वसूली हेतु वर्तमान नई एकमुश्त समाधान योजना लागू की गयी है। योजनान्तर्गत निर्धारिण ऋण अवधि पर साधारण व्याज के साथ -साथ अवशेष धनराशि की एकमुश्त वसूली की जानी है। इस प्रकार शेष अवधि का सम्पूर्ण चक्रवृद्धि ब्याज एवं दण्ड व्याज माफ कर दिया जायेगा। राष्ट्रीय निगमों के माध्यम से लाभान्वित व्यक्ति भी इस योजना का लाभ पाने के लिये हकदार होगें। एकमुश्त समाधान योजना 31 अक्टूबर 2021 तक लागू रहेगी, योजना से सम्बन्धित निगम के सभी ऐसे बकायेदार जिसका ऋण आवेर ड्यू हो चुका है तथा ऋण की अदायगी एक मुश्त करना चाहते है, इस समयावधि में ऋण धनराशि जमा कर ब्याज/चक्रवृद्धि ब्याज की छूट का लाभ प्राप्त कर सकते है। विस्तृत जानकारी के लिये किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन प्रतापगढ़ स्थित कार्यालय अथवा सम्बन्धित विकास खण्ड में तैनात सहायक विकास अधिकारी (स0क0)/ग्राम विकास अधिकारी (स0क0) से एवं जिन लाभार्थियों का अन्तिम वसूली प्रमाण पत्र जारी है।

पांच लाख का लावारिस सोना का जेवर पाने पर भी गरीब महिला का नहीं डिगा ईमान

लावारिस बैग को व्यापार मण्डल के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को सौंपा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। पांच लाख का जेवर का पैकेट लावारिस मिलने पर एक गरीब महिला का ईमान नहीं डोला और वह इसकी सूचना अपने मालिक को दी, जहां से व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी के माध्यम से यह जेवर का पैकेट पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया गया कि जिसका भी हो, वह पुलिस अधीक्षक से ले जाएगा। महिला की इस ईमानदारी की पूरे व्यापार मण्डल में चर्चा हो रही है। पुलिस अधीक्षक ने इसकी सराहना करते हुए कहा कि इस महिला की ईमानदारी सार्वजनिक होनी चाहिये।

बता दें कि बलीपुर मोहल्ले की रहने वाली सरिता हेला बिहारी लाल रमेश चंद्र के यहां काम करती है। गुरुवार को पंजाबी मार्केट में उसे एक बैग मिला जिसमें सोने के जेवर थे। वह इसे लेकर अपने मालिक अमित के पास गई और कहा कि यह मुझे लावारिस मिला है। इसे मैं लेना नहीं चाहती। इस पर फर्म के मालिक अमित ने

इसकी सूचना जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी को दी। उन्होंने एसपी से समय लिया और दिन में साढे बारह बजे व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष राजेन्द्र केसरवानी, पूर्व सभासद लखन बाबा, राम शंकर जायसवाल, संजय सोनी, अश्विनी केसरवानी व अमित केसरवानी महिला सरिता हेला के साथ एसपी से मिले और वह लावारिस बैग पुलिस अधीक्षक को सौंप दिया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह महिला व व्यापारियों का सराहनीय कार्य है। इसकी चर्चा पूरे व्यापारियों में हो रही है।

जबरन कब्जे का शिकायती पत्र एसपी को देकर कार्रवाई की मांग

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। थाना नवाबगंज अंतर्गत रामकिशोर मौर्य पुत्र बाबूलाल मौर्य निवासी आलापुर थाना नवाबगंज ने पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ को शिकायती पत्र डाक से भेज कर कार्रवाई की मांग की है। प्रार्थी ने शिकायती पत्र देकर बताया कि भूमि गाटा संख्या 551, 552 आदि पर हमारा व सह खातेदारों का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर गांव के ही दबंग लोगों ने हमारी जमीन दबंगई व गुंडई के बल पर अवैध रूप से रोड की तरफ जबरन कब्जा कर लिया। प्रार्थी विकलांग है प्रार्थी ने इस संदर्भ में थाना अध्यक्ष नवाबगंज को भी 26 अगस्त को शिकायती पत्र दिया था किंतु कोई कार्यवाही ना होने पर पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ को 6 सितंबर को रजिस्टर्ड डाक द्वारा शिकायती पत्र भेजकर आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराकर उचित कार्रवाई करने की तथा न्याय की मांग किया है।

पांच बेटियों के पिता की सर्पदंश से हुई मौत, घर मे मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। रात के समय में घर के भीतर घुसे एक साप ने एक अधेड़ को काट लिया जिससे उसकी मौत हो गई। फेरी लगाकर अपने परिवार का किसी तरह सहारा बनने वाले पांच बेटियों की पिता की मौत हो जाने से बेटियां बेसहारा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कंसापट्टी गांव के रहने वाले मुमताज अहमद अंसारी पुत्र बाबू अंसारी (50) कपड़े की फेरी लगाकर अपना परिवार चलाता था। बीते 7 सितंबर की रात में उनके घर में एक सांप घुस आया सांप निकालने की आहट पाकर वह जैसे ही बोरी को हटाया, सांप ने उन्हें डस लिया आनन-फानन में परिजन पीड़ित को लेकर जिला चिकित्सालय चले गए जहां पर चिकित्सकों ने उसने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया इलाज के अभाव में अहमद अंसारी की मौत हो गई।

स्वरोजगार से जुड़े लाभार्थियों ने लगाई प्रदर्शनी

दीनानाथ भाष्कर ने किया अमृत महोत्सव का शुभारंभ, शहीद सुलभ उपाध्याय के पिता को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

भदोही। चौरीचौरा शताब्दी अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में खादी ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक दिनी लघु प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर आयोजन ग्राम डभका हनुमान मंदिर के पास किया गया। विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर ने महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर जागरूकता शिविर का शुभारंभ किया। इसके बाद विधायक ने लाभार्थियों के द्वारा लगाए गए स्टाल का भ्रमण कर लाभार्थियों से जानकारी प्राप्त की और हौसला बढ़ाया।

विधायक दीनानाथ भाष्कर ने लोगों को रोजगार से जोडने के लिए खादी ग्रामोद्योग अधिकारी को निर्देश दिया की रोजगार से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें। अमृत महोत्सव में शहीद परिवार के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया था। विधायक द्वारा अमर शहीद सुलभ उपाध्याय के पिता अशोक उपाध्याय को शाल भेंटकर सम्मानित किया गया।

जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी ने बताया की प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का क्रियान्वयन खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा किया गया था। उक्त योजना के तहत अधिकतम 25.00 लाख रुपये तक का ऋण बैंक के माध्यम से उद्यम की स्थापना के लिए दिया जाता है। योजना में सामान्य वर्ग के पुरुष लाभार्थियों को प्रोजेक्ट मूल्य का 25 प्रतिशत एवं आरक्षित वर्ग तथा महिला उद्यमियों को प्रोजेक्ट कास्ट का 35 प्रतिशत का अनुदान भी अनुमन्य है। बताया कि योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की वित्त पोषित इकाइयों को अधिकतम 13 प्रतिशत ब्याज उपादान की सुविधा तीन वर्ष तक दिये जाने का प्रावधान है। इस अवसर पर खादी ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लघु प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर आज

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल ने बताया कि चौरीचौरा शताब्दी/अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा एक दिवसीय लघु प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर का आयोजन 10 सितंबर को शहीद झूरी सिंह स्मारक पार्क, परऊपुर, ज्ञानपुर, भदोही में किया जा रहा है। प्रदर्शनी का शुभारंभ पूर्वाह्न 11 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम के चीफ गेस्ट विधायक रवींद्रनाथ त्रिपाठी होंगे। उपरोक्त आयोजन में विभागीय योजनाओं के बारे में जन समूह को जानकारी दी जायेगी व विभाग द्वारा वित्तपोषित इकाइयों के द्वारा प्रदर्शनी लगायी जायेगी।

9000 श्रमिक आयुष्मान कार्ड से होगे लाभान्वित

श्रम विभाग से लिया गया आंकड़ा

अखंड भारत संदेश

भदोही। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संतोष कुमार चक ने बताया कि जिले में पंजीकृत श्रमिकों का आयुष्मान कार्ड 12 सितम्बर तक बनेगा। इसके लिए जिले के 5 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत 62 सबसेन्टरों पर शिविर लगाया गया है। मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए कोरोना जैसे संक्रमण से श्रमिकों को बचाने के लिए जिले के 05 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, 15 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों समेत 62 सबसेन्टरों पर 12 सितम्बर 2021 तक कैम्प लगाकर श्रमिकों को आयुष्मान कार्ड बनाया जायेगा। इस सम्बन्ध में अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रभारी चिकित्साधिकारी समेत सभी स्वास्थ्य कर्मियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है। कोरोना जैसे महामारी से लड़ने के लिए कभी-कभी अस्पताल में भी भर्ती होना पड़ता है। इसके साथ ही निजी चिकित्सालयों में उपचार कराने के लिए काफी रूपये खर्च होते है। यदि हर व्यक्ति के पास आयुष्मान कार्ड होता है तो उसे कोरोना से उपचाराधीन होने पर काफी राहत होगी उसके लिए यह कार्ड एक बूंटी का काम करेगी। जिला कार्यक्रम समन्यवक डा. आशीष ने बताया कि यदि जिले के हर श्रमिक के पास आयुष्मान कार्ड होगा तो वह कोरोना से उपचाराधीन होने पर आसानी से आयुष्मान कार्ड का प्रयोग करके अपना इलाज करा सकता है। उन्होंने जिले के हर श्रमिक से अपील किया है।

अनुपस्थित कर्मचारियो का रूका वेतन

ज्ञानपुर। अस्पतालों में व्यवस्था सुधार की चल रही कवायद के बीच मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एसके चक ने गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डीघ का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक सहित आठ चिकित्सक व कर्मचारी अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित चिकित्सकों और कर्मियों का एक दिन का वेतन रोकने का निर्देश सीएमओ ने दिया है। निरीक्षण के दौरान सबसे खास बात यह देखने को मिली कि टीकाकरण कक्ष पर भी ताला लटका मिला। सीएमओ ने इसे गंभीरता से लिया है।

पिता की फटकार से नाराज बालक ने छोड़ा घर

जबलपुर जीआरपी ने बालक को अपने पास रखकर परिजनों को दी सूचना

अखंड भारत संदेश

भदोही। बात-बात पर बच्चों को डाटना, फटकारना अभिभावकों को भारी पडने लगा है। आधुनिक दौर में कम उम्र के बच्चों में इतनी संवेदशीलता आ गई है कि उन्हे माता-पिता की फटकार भी अखरने लगी है। इसी तरह के एक मामले में घर से बिना बताए गए किशोर को जीआरपी जबलपुर ने बरामद किया है। आज बाल कल्याण समिति के सहयोग से उक्त बालक को परिजनों के सुपुर्द किया गया। यह मामला भदोही के पिपरिस भारी, नई बस्ती का है। यहां के निवासी कृष्णचंद्र मौर्य का 14 वर्षीय पुत्र शुभम कुमार मौर्य 30 अगस्त को घर छोडकर चला गया था। बताया जाता है कि किसी बात से नाराज होकर पिता ने फटकार लगाई थी। घर छोडने के बाद किसी ट्रेन से वह जबलपुर पहुंच गया, जहां जीआरपी जबलपुर ने तनहा बालक को देख उसे अपने पास बुलाया और उससे पूछताछ की। इधर, बालक के संदिग्ध दशा में लापता होने से परेशान परिजन खोजबीन में जुटे थे। मामले की गुमशुदगी भी भदोही कोतवाली में दर्ज करवाई थी। दूसरी तरफ जीआरपी जबलपुर ने शुभम के मिलने की सूचना उसके पिता को दी। इसके बाद उसके पिता कृष्णचंद्र मौर्य जबलपुर पहुंचे। इस मामले की जानकारी भदोही पुलिस को भी दी गई। फिलहाल शुभम के सकुशल बरामद होने पर भदोही पुलिस के उप निरीक्षक राम नारायण शुक्ल और महिला कांस्टेबल सुनीता यादव द्वारा नाबालिग को न्यायालय बाल कल्याण समिति, भदोही के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। नाबालिग शुभम कुमार मौर्य की काउंसिलिंग महिला सदस्य संगीता खन्ना और सदस्य प्रेमशंकर त्रिपाठी ने की। इसके पश्चात शुभम की इच्छा पर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। आदेश पारित करते समय न्यायपीठ के अध्यक्ष पीसी उपाध्याय, सदस्यगण डा. पंकज मालवीय, संगीता खन्ना, प्रेम शंकर त्रिपाठी एवं सत्यशील गुप्ता एवं कर्मचारी अजय प्रताप सिंह, दीपक कुमार यादव उपस्थित रहे।

आर्थिक स्वावलंबन का मूल आधार है वित्तपोषण : आर्यका

बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने की योजनाओं की समीक्षा

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने सभी बैंकर्स एवं इससे जुड़े विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की हिदायत दी है, साथ ही बैंक/वित्त पोषित योजनाओं का लाभ लाभार्थियों तक पूरी पारदर्शिता के साथ पहुंचाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने कहा कि आर्थिक स्वालंबन का प्रमुख आधार बैंकों की वित्त पोषित योजनाएं होती हैं, इसमें किसी भी प्रकार की कोई शिथिलता नहीं होनी चाहिये।

जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कलेक्ट्रेट सभागार में बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की अध्यक्षता में आयोजित की गई। उन्होंने किसानों के लिये संचालित केसीसी को प्राथमिकता के साथ बनाए जाने एवं अन्य शासकीय योजनाओं की लक्ष्य प्राप्ति के लिए सघन अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत लाभांवित किए जाने के लिए नगर निकायोंध्नगर पालिकाओं के अधिशासी अधिकारियों को भी विशेष अभियान चलाने केलिए निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि यह योजना अत्यन्त ही महत्वपूर्ण है। इसका लाभ पात्रों तक अनिवार्य रूप से पहुंचाएं। बैंकर्स एवं प्रशासन के बीच समन्वय पर बल देते हुए कहा कि इसके लिए पाक्षिक अंतराल पर मीटिंग की जाए एवं सभी जुड़े विभाग व बैंकर्स आपसी समन्वय एवं टीम भाव से कार्य करते हुए जनपद को वित्तपोषित सभी योजनाओं में प्रथम स्थान दिलाने का प्रयास करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि बैंकों की कोई समस्या हो तो बेहिचक उसे संज्ञान में ला सकते हैं। जिलाधिकारी ने उद्योग, ग्रामोद्योग, मत्स्य, कृषि सहित अन्य विभाग, जिनमें बैंक पोषित योजनाएं संचालित हैं, की गहनता से समीक्षा की और लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए कहा। प्रधानमंत्री स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, मुख्यमंत्री युवा रोजगार योजना, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटी कला योजना, पं0दीनदयाल उपाध्याय स्वरोजगार योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वयं सहायता समूहों के सीसीएलध्बैंकवार ऋण आदि की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भानु प्रताप सिंह, उद्योग अधिकारी हरेंद्र प्रताप, जिला सूचना अधिकारी प्रवीण मालवीय, कृषि, मत्स्य, पशुपालन, ग्रामोद्योग, उद्योग सहित जुड़े अन्य विभागों के अधिकारी गण, बैंकों के जनपद स्तरीय समन्वयक मौजूद रहे।

गैर कांग्रेसी सरकारों ने यूपी की बिगाड़ी छवि

कांग्रेस ने जनसंपर्क कर अपराध और भ्रष्टाचार पर बोला हमला

अखंड भारत संदेश

भदोही। कांग्रेस कमेटी भदोही के जिला महासचिव जजलाल राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा सपा, बसपा के 32 साल के कुशासन और भ्रष्टाचार का नतीजा यह रहा कि आज हमारा उत्तर प्रदेश पूरी तरह से विकास से कोसों दूर है। उत्तर प्रदेश को इन तीनों पार्टियों ने पूरी तरह से अपने शासनकाल में बिगाड़ कर रख दिया है। श्री राय आज दुरासी, गोहिलांव, बरवां, ग्रामसभाओं में जनसंपर्क के दौरान ग्रामवासियों के बीच उक्त विचार व्यक्त किया।

श्री राय ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश किसानों की आय के मामले में सबसे नीचे हैं, रोजगार के मामले में सबसे नीचे है, शिक्षा के मामले में सबसे नीचे है, स्वास्थ्य के मामले में सबसे नीचे है, कुपोषण में सबसे ऊपर है, महिलाओं के खिलाफ अपराध में सबसे ऊपर है, बच्चियों के खिलाफ अपराध में सबसे ऊपर है, जन्म के तुरंत बाद, बच्चों की मृत्यु के मामले में सबसे ऊपर हैं, बच्चे के जन्म के तुरंत बाद, माताओं की मृत्यु दर के मामले में सबसे ऊपर हैं।

श्री राय ने कहा कि हम प्रदेश वासियों के लिए इस सवाल की पड़ताल बहुत जरूरी है। श्री राय ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कोरोना से हुई लाखों मौतों एवं तबाही का जिम्मेदार कौन है? क्या कारण है उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी चरम पर है, और हुनरमंद एवं प्रतिभाशाली युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा हैं। क्या कारण है कि प्रदेश के किसानों का बुराहाल है। क्या कारण है कि उत्तर प्रदेश में अर्थव्यवस्था की हालत पतली है, और कारोबार खत्म होते जा रहे हैं। क्या कारण है कि उत्तर प्रदेश की राजनीति पिछले कई सालों से जातिवाद, संप्रदाय के आधार पर बंटवारा, भ्रष्टाचार एवं दबंगों के इर्द गिर्द घूम रही है। श्री राय ने कहा कि बसपा,भ् ाजपा, सपा ये तीनों चोर-चोर मौसेरे भाई हैं। अपने शासनकाल में सब ने उत्तर प्रदेश को लूटा है, और मिल बांटकर के मलाई खाए हैं। श्री राय ने कहा कि भाजपा, सपा, बसपा ने उत्तर प्रदेश में 32 साल शासन किया है, और उत्तर प्रदेश को विकास के पैरामीटरों में सबसे पीछे एवं गुंडागर्दी, अपराध, भ्रष्टाचार, कुपोषण के मामले में नंबर वन बना दिया है। जनसंपर्क के दौरान ओमप्रकाश तिवारी, माताफल तिवारी, भगवान दास तिवारी, कमलेश पाठक, रमेशचंद शर्मा, अलाउद्दीन अंसारी, रामधर पटेल, कमलेश मिश्रा, शेषधर गौतम, मनोज बनवासी, राधेश्याम सरोज, मुथुना देवी आदि लोग भारी संख्या में शामिल रहे।।

सपा की जनादेश यात्रा आज पहुंचेगी भदोही : जाहिद

समाजवादियों ने बैठक कर जनसभा को सफल बनाने की बनाई रणनीति

अखंड भारत संदेश

भदोही। समाजवादी पार्टी भदोही विधान सभा इकाई की हुई एक बैठक में सपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज के नेतृत्व में चलाए जा रहे जनादेश यात्रा के क्रम में शुक्रवार को यात्रा का भदोही जनपद पहुंचने पर भव्य स्वागत की तैयारी पर चर्चा किया गया।

वहीं इस दौरान जिले के जीटी रोड स्थित टोल प्लाजा के पास अमवा माफी में आयोजित जनसभा को सफल बनाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में सपा के पूर्व विधायक जाहिद बेग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के क्रम में सपा द्वारा चलाये जा रहे जनादेश यात्रा को पूरे प्रदेश में आम जनता का बड़े पैमाने पर समर्थन मिल रहा है। कहा कि केंद्र और प्रदेश की सत्ता में बैठी भारतीय जनता पार्टी की सरकार की गलत नीतियों व जनविरोधी कार्यों के कारण जनता में अब आक्रोश खुलकर दिखाई देने लगा है। जनता भाजपा सरकार की अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए उत्तर प्रदेश में एक बार फिर से समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए मन बना चुकी है।

कहा कि समाजवादियों का इतिहास रहा है कि वह जनता के हितों को लेकर हमेशा सड़क से सदन तक संघर्ष किए हैं और जब जनता के साथ अन्याय हो रहा होता है तो समाजवादी ही जनता के साथ पूरी मजबूती से खड़े दिखाई देते हैं। कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के शासनकाल को जनता याद कर रही है। समाजवादी सरकार में ना सिर्फ विकास के नए आयाम लिखे गए बल्कि आम आदमी के जीवन में खुशहाली लाने के लिए कई अभूतपूर्व कार्य भी किया गया। आम जनता को त्वरित न्याय मिले इसके लिए व्यवस्था बनाई गई। अस्पतालों में हर व्यक्ति को समुचित इलाज की व्यवस्था हो इसके लिए भी योजना चलाई गई। इस तरह से किसान, नौजवान, छात्र, व्यापारी, शिक्षक और प्रबुद्ध वर्ग समाजवादी पार्टी का साथ देने के लिए पूरी तरह से एकजुट हुए हैं।

कहा कि सत्ता के मद में चूर भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले चुनाव में जनता को सपने दिखाकर सत्ता हासिल किया, लेकिन जनता भी 2022 के चुनाव में भाजपा को सपने की तरह साफ करने का काम करने जा रही है। कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं जनादेश यात्रा की अगुवाई कर रहे पूर्व मंत्री इंद्रजीत सरोज का भदोही जनपद में 10 सितंबर को 11:00 बजे दिन जीटी रोड स्थित अमवा माफी टोल प्लाजा के पास सभा आयोजित है। जिसमें बड़ी संख्या में पहुंच कर सभा को कामयाब बनाने और समाजवादी एकजुटता को मजबूती के साथ दिखाने के लिए समाजवादी सिपाही उक्त कार्यक्रम में पहुंचेंगे। कहा कि भाजपा सरकार के दिन पूरे हो चुके हैं, कुछ ही महीनों की यह सरकार रह गई है। बैठक में संतोष यादव, शिव पासी, गोरख पासी, गुलाब पासी, दिनेश सरोज, आशीष सरोज, धर्मराज पासी, संगम, कन्हैया सरोज, इंद्रजीत पासी, पप्पू सरोज, निहाला सरोज, लल्ला सरोज, बेचूलाल सरोज, राजकुमार यादव आदि लोग मौजूद रहे।

हरितालिका तीज शिवालयों में जुटी आस्था की भीड़

व्रती महिलाओं ने विधि विधान से किया पूजन अर्चन

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों मे त्याग, तपस्या और निष्ठा का पर्व हरितालिका तीज परम्परा गत ढंग से मनाया गया। इस मौके पर व्रती महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना के साथ विभिन्न शिव मंदिर और शिवालयों में विधि विधान पूर्वक देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती का पूजन अर्चन किया। गोपीगंज नगर के प्रमुख धार्मिक स्थल हनुमानगढ़ी मंदिर, बाबा बड़े शिव धाम, गोपेश्वर नाथ, सिद्धेश्वर नाथ, कबूतर नाथ आदि मंदिरों पर महिलाओं की भीड़ लगी रही। सव्रत का पारण शुक्रवार को सुबह किया जाएगा।

विवाहित महिलाएं अखंड सौभाग्य कामना के लिए तो कुंवारी कन्या अच्छे वर की कामना के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखते हैं। जिस त्याग तपस्या और निष्ठा के साथ सुहागिन महिलाएं व्रत रखती हैं वह बड़ा ही कठिन है। इसमें फलाहार तो दूर निष्ठावान महिलाएं जल तक ग्रहण नहीं करती। इसे सुहागिनों के अखंड सौभाग्य का रक्षक भी कहा जाता है। गुरुवार को स्नान ध्यान के बाद संकल्प लेकर महिलाओं ने व्रत धारण किया। व्रत रखकर पति की दीर्घायु कामना के लिए पूजन सामग्री एकत्र किया। सायंकाल व्रती महिलाओं का समूह पूजन अर्चन के लिए समीप स्थित शिव मंदिर पहुंच कर विधि विधान पूर्वक दर्शन पूजन कर माता पार्वती को सुहाग का सामान अर्पित किया। इस कठिन व्रत का पारण शुक्रवार को सुबह किया जाएगा। रात मे जागरण कर तीन पहर की आरती करेगी।

गरीबों के हक की लड़ी जायेगी लड़ाई : आरिफ

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद शीतल पाल की जयंती पर सम्मानित हुए पटरी दुकानदार

अखंड भारत संदेश

भदोही। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद शीतल पाल की जयंती के अवसर पर गुरुवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष मो. आरिफ सिद्दीकी द्वारा नगर पर पटरी दुकानदारों व ठेला-रिक्शा वालों को सम्मानित किया गया। उन्होंने सभी को अंगवस्त्रम भेंट किया और फूल माला पहनाया। इस अवसर पर उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद शीतल पाल के जीवन पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही उनके योगदान की चर्चा की। कहा कि1857 की क्रांति में जिले के पाली में अंग्रेज अफसरों को मारे जाने में शीतल पाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। श्री सिद्दीकी ने कहा कि हमने हमेशा गरीबों की लड़ाई लड़ी और उनकी आवाज को उठाने का काम किया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शहीद शीतल पाल के जयंती पर ऐसे सभी गरीब दुकानदारों को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया था। जिसके क्रम में पटरी दुकानदारों व ठेला-रिक्शा वालों को सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगे भी गरीबों के हक की लड़ाई लड़ी जाएगी और उनकी आवाज उठाई जाएगी। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के नेता नान्हक यादव, मुन्ना यादव, बाबा बिंद, राजेश यादव, लालचंद्र पाल, खली यादव, कैलाश यादव, हरिनाथ यादव, डा.बीएन यादव, नसीर हाशमी, सेराज अंसारी, रमाशंकर यादव, दुर्गा यादव आदि उपस्थित रहे।

सुरियावां उप डाक घर मे एक माह से नेटवर्क नही

अखंड भारत संदेश

सुरियावां। नगर में स्थित उप डाक घर सुरियावां में गत एक माह से नेटवर्क व मशीन खराब होने से लेन व देन व अन्य आवश्यक कार्य नही होने से कहता धारकों में आक्रोष है। खाता धारक त्रिलोकी नाथ मौर्य, मेवालाल, सतीश कुमार, विवेक कुमार, अनिल आदि लोगों ने बताया कि नेटवर्क सर्वर फेल होने के कारण गत माह से डाकघर के सभी कार्य प्रभावित है। लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए उच्च अधिकारियों से तत्काल नेटवर्क ठीक कराने की मांग की व चेतावनी दी कि यदि नेटवर्क ठीक नही किया गया तो आंदोलन करेंगे। इस सम्बंध में उप डाकपाल रमेश कुमार गुप्ता ने बताया कि विभाग के उच्च अधिकारियों को सूचित किया जा चुका है। नेटवर्क न होने से खाताधारकों में आक्रोश भी है।

सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 22 अक्टूबर को

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र यादव ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अनुसूचित जाति, पिछड़ा जाति, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक सामुदाय के जो भी माता-पिता/अभिभावक अपनी पुत्री की शादी सामूहिक रूप से करने के इच्छुक हैं, वे विवाह के लिए अपना पंजीकरण खंड विकास अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी के कार्यालय में कराते हुये अपना आवेदन पत्र उनके कार्यालय में जमा करें। सामूहिक विवाह के आवेदन हेतु माता-पिता की वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम एवं कन्या व वर की उम्र 18 व 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। सामूहिक विवाह योजना के तहत शासन द्वारा प्रति वैवाहिक जोड़ा 51000.00 व्यय किये जाने का प्रावधान है, जिसमें 35000.00 कन्या के खाते में, 10000.00 रुपये का उपहार प्रदान किया जाता है। जबकि छह हजार रुपये वैवाहिक समारोह के इंतजाम और खाने-पीने पर खर्च किया जाएगा।सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम का आयोजन 22 अक्टूबर को विभूति नारायण राजकीय इंटर कालेज ज्ञानपुर में किये जाने के लिए प्रस्तावित है। अपनी कन्या की सामूहिक रूप से शादी करने के इच्छुक व्यक्ति अपना रजिस्ट्रेशन तत्काल कराना सुनिश्चित करें।

सम्पादकीय

यह कैसी सरकार

दिलचस्प है कि अफगानिस्तान के इस नए प्रधानमंत्री का नाम संयुक्त राष्ट्र की लिस्ट में आतंकवादी के रूप में दर्ज है। सिर्फ उन्हीं का नहीं इस मंत्रिमंडल में अहम जिम्मेदारी संभालने वाले ज्यादातर सदस्यों के नाम या तो आतंकी सूची में हैं या उन पर इनाम घोषित हैं। अफगानिस्तान में तालिबान ने आखिर सरकार गठित करने की घोषणा कर दी। हालांकि यह अंतरिम सरकार बताई जा रही है, लेकिन इससे भी अफगानिस्तान के नए निजाम के रंग-ढंग के काफी संकेत मिलते हैं। सरकार गठन को लेकर काबुल में चल रही रस्साकशी संबंधी खबरों की पुष्टि इस बात से भी होती है कि मौलाना हैबतुल्ला अखुंदजादा को सुप्रीम लीडर का स्थान देने की बात फिलहाल टालनी पड़ी है। हालांकि नए प्रधानमंत्री मुल्ला मोहम्मद हसन अखुंद उनके करीबी माने जाते हैं। दिलचस्प है कि अफगानिस्तान के इस नए प्रधानमंत्री का नाम संयुक्त राष्ट्र की लिस्ट में आतंकवादी के रूप में दर्ज है। सिर्फ उन्हीं का नहीं इस मंत्रिमंडल में अहम जिम्मेदारी संभालने वाले ज्यादातर सदस्यों के नाम या तो आतंकी सूची में हैं या उन पर इनाम घोषित हैं। इन सबसे हटकर, सिर्फ तालिबान के नजरिए से देखा जाए तो भी उनके इस वादे की धज्जियां उड़ती दिखाई देती हैं कि अब नए दौर में वे ज्यादा खुलेपन से और सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करते हुए आगे बढ़ेंगे। इस्लामी कानूनों के खांचे में ही सही, पर महिलाओं को सारे अधिकार देने की बात करने वाले तालिबान इस 33 सदस्यीय कैबिनेट में महिलाओं के लिए एक भी स्थान नहीं निकाल सके। इन 33 में से 30 पश्तून ही हैं।

जाहिर है, अन्य समुदायों को सत्ता में नुमाइंदगी देने की बात जुबानी जमाखर्च से आगे नहीं बढ़ सकी है। भारत और अन्य देशों के लिहाज से सबसे बड़ी बात यह है कि इस कथित सरकार पर आम तौर पर उग्र कट्टरपंथी धड़े का और खास तौर पर पाकिस्तान की आईएसआई का दबदबा साफ नजर आता है। दोहा में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से समझौता वार्ता चला रहे और कतर में तालिबान की राजनीतिक शाखा के प्रमुख रहे मुल्ला अब्दुल गनी बारादर का उपप्रधानमंत्री पद स्वीकार करने के लिए मजबूर होना बताता है कि सरकार में इस ग्रुप की हैसियत कम हो गई है। इसी ग्रुप ने अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को तमाम आश्वासन दिए थे। यह सूचना भी महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री पद पर बैठाए गए शख्स ने ही 2001 में बामियान की बुद्ध मूर्ति को ध्वस्त करने का आदेश जारी किया था। आंतरिक मामलों के मंत्री बनाए गए सिराजुद्दीन हक्कानी न केवल हक्कानी नेटवर्क के प्रमुख हैं और आईएसआई से करीबी के लिए जाने जाते हैं बल्कि काबुल में भारतीय दूतावास पर 2008 में हुए हमले के अलावा भारतीयों और भारतीय हितों पर किए जाने वाले अनेक हमलों में उनका हाथ माना जाता रहा है। एक सच यह भी है कि तालिबान की इस नई सरकार को अब नई परिस्थितियों में कठिन चुनौतियों से निपटते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे में यह देखने वाली बात होगी कि पुरानी छवि, पुराने चेहरों और आईएसआई मार्का पुराने प्रभावों से ग्रस्त यह नई सरकार कैसा और कितना नया कर पाती है।

हमारा किसान ही तो है 'भारत भाग्य विधाता'

राकेश अचल

बनाये गए विधेयक ऐसे नहीं है कि उन्हें वापस न लिया जा सके। उन्हें वापस लेकर नए विधेयक लाये जा सकते हैं। एमएसपी को सुनिश्चित किया जा सकता है। वायु गुणवत्ता निरसन आयोग को गठित किया जा सकता है। सरकार रोज ही एक न एक आयोग गठित करती है। राष्ट्रीय कृषि आयोग की सिफारिशों को पूरा नहीं तो आधा माना जा सकता है। किसान नेताओं के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जा सकते हैं। ऐसा पहले भी होता रहा है। किनिया भले मानती हो कि भारत किसान प्रधान देश है, यहां किसानों को 'अन्नदाता' कहा जाता है और किसान ही भारत के भाग्य विधाता भी हैं, लेकिन इस हकीकत को भारत की ही सरकार स्वीकार करने को तैयार नहीं है। आजादी के बाद देश में पहली बार किसानों को अपनी मांगें मनवाने के लिए सड़कों पर उतरे पूरा एक साल होने को है लेकिन सरकार किसानों के सामने नतमस्तक होने को तैयार नहीं है। भारत की संसद द्वारा पारित 3 किसान विधेयकों के खिलाफ किसानों को सड़कों पर आये पूरा एक साल हो गया। 9 अगस्त 2020 को किसानों ने अपने आंदोलन का शंखनाद किया था, तब लगता था कि यह आंदोलन बहुत जल्द समाप्त हो जाएगा, क्योंकि किसानों के पास आंदोलन को लंबा चलने के लिए न समय है और न सामर्थ्य। अब सारे अनुमान ध्वस्त हो चुके हैं। किसानों ने तमाम विषम परिस्थितियों, विवादों और भितरघातों के बावजूद अपने आंदोलन की सालगिरह मना ली है। किसान आंदोलन का सबसे ताजा और प्रभावी जमावड़ा मुजफ्फरनगर का रहा है। भारत में किसानों के आंदोलन को राष्ट्रीय किसान आंदोलन मानने के लिए केंद्र सरकार तैयार नहीं है, क्योंकि सरकार को लगता है कि यह हिंदी पट्टी के किसानों का आंदोलन है। इसमें पूरब और दक्षिण के किसान तो शामिल नहीं हैं। सरकार की मान्यताओं को दुनिया की कोई ताकत नहीं बदल सकती सिवाय सरकार के। किसानों के पास इस मान्यता को बदलने की ताकत है किन्तु अभी तक इसका मुजाहिरा किया नहीं गया है। हालांकि किसान आंदोलन के चलते केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा का महत्वपूर्ण चुनाव हार चुकी है।

भारत में कुल आबादी का 60 से 70 फीसदी हिस्सा किसान हैं। इतनी बड़ी आबादी को 'अन्नदाता' तो कहा और मानी जाती है किन्तु उसे आजादी के 75वें साल में भी भारत भाग्य विधाता नहीं माना जाता। भारत का 'भाग्य विधाता' आज भी सरकार का अधिनायक ही है। दुर्भाग्य ये है कि हम सब अन्नदाता यानि 'जन-गण-मन' के साथ ही अधिनायक की भी जय बोलते हैं। शायद इसी वजह से अन्नदाता की अनदेखी व अनसुनी करने की क्षमता अधिनायक सरकार में विकसित हो गई है। यह नहीं लगता कि यह भाजपा के सत्ता में होने की वजह से है। मुमकिन है कि किसी दूसरी पार्टी की सरकार का रवैया भी किसानों के प्रति ऐसा ही होता, लेकिन यह भी सम्भव है कि यदि किसी दूसरी पार्टी की सरकार होती तो अब तक अन्नदाता के सामने झुक जाती। भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होते हुए भी किसानों को महत्व क्यों नहीं दिया जा रहा है, यही आज का सबसे बड़ा सवाल है। आज का किसान आंदोलन भी इसी सवाल के इर्द-गिर्द घूम रहा है कि आखिर क्या वजह है कि सत्ता का अधिनायकवादी स्वभाव बदलने के लिए तैयार नहीं है? किसान आंदोलन को लेकर शुरू के कुछ महीनों में बातचीत के दौर भी चले लेकिन अब तो यह दरवाजा हमेशा के लिए यह कहकर बंद कर दिया है कि- 'सरकार के दरवाजे वार्ता के लिए हमेशा खुले हैं।' एक साल में सरकार किसानों की मांगों के सामने नहीं झुकी। इसका मतलब साफ़ है कि कोई न कोई शक्ति है जो सरकार को ऐसा करने से रोक रही है। अन्यथा संसद में भी तो 70 फीसदी किसान आबादी के निर्वाचित प्रतिनिधि बैठे हुए हैं। संसद बीते एक साल में भी किसानों के मुद्दों पर निर्णय क्यों नहीं कर सकी? किसान आखिर चाहते क्या हैं? उन्हें तीनों विधेयकों की वापसी, कानूनी रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य, एमएसपी को औसत भारित उत्पादन की लागत से कम से कम 50 फीसदी से अधिक का उठाव, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता का निरसन आयोग (2020) का गठन, किसानों पर राष्ट्रीय आयोग की सिफारिशों को लागू करना, किसान यूनियन नेताओं के खिलाफ दर्ज सभी मामले वापस लिए जाएं, कृषि गतिविधियों के लिए डीजल की कीमतों में 50 फीसदी की कमी और बिजली (संशोधन) अध्यादेश (2020) को रद्द

किया जाये।अब देखिये कि बनाये गए विधेयक ऐसे नहीं है कि उन्हें वापस न लिया जा सके। उन्हें वापस लेकर नए विधेयक लाये जा सकते हैं। एमएसपी को सुनिश्चित किया जा सकता है। वायु गुणवत्ता निरसन आयोग को गठित किया जा सकता है। सरकार रोज ही एक न एक आयोग गठित करती है। राष्ट्रीय कृषि आयोग की सिफारिशों को पूरा नहीं तो आधा माना जा सकता है। किसान नेताओं के खिलाफ दर्ज मामले वापस लिए जा सकते हैं। ऐसा पहले भी होता रहा है। डीजल की कीमतों और बिजली अध्यादेश को भी रद्द किया जा सकता है। लेकिन जब कुछ नहीं करने का संकल्प ले लिया जाये तो कुछ नहीं किया जा सकता, सिवाय खेल पुरस्कारों और शहरों का नाम बदलने के। किसान आंदोलन यानि अन्नदाताओं के आंदोलन के प्रति सरकार की बेरुखी को समझने से पहले यह भी जानना जरूरी है कि कृषि प्रधान देश में किसान ही हर साल आत्महत्याएं करते हैं। नेताओं को आत्महत्या के लिए विवश नहीं होना पड़ता क्योंकि नेताओं के सामने कोई समस्या होती ही नहीं है। वे बिना पसीना बहाये ही वह सब कुछ पा लेते हैं जिसके लिए किसान अपना खून-पसीना एक करते हैं। आपको यकीन करने में दिक्कत हो सकती है किन्तु यह हकीकत है कि मात्र एक दशक में भारत में 1.66 लाख से अधिक किसानों ने आत्महत्या की 7 यह तब हुआ जब कांग्रेस की सत्ता थी लेकिन भाजपा के सत्ता में आने के बाद यही आंकड़ा डेढ़ गुना ज्यादा हो गया। आखिर क्यों? जब सरकार किसान हितैषी क़ानून बना रही है तब किसान क्यों आत्महत्या करने के लिए विवश हैं? भारत के किसान इतिहास लिखने में सत्तारूढ़ भाजपा से आगे निकल गए हैं। किसानों ने अब तक का सबसे लंबा आंदोलन चलाकर प्रमाणित कर दिया है कि आज भी देश में अधिनायक से कहीं ज्यादा जन-गण-मन मजबूत है। इसलिए उसी की जय बोली जानी चाहिए और उसी की बात सुनी तथा मानी जानी चाहिए। देश का अन्नदाता अपनी मांगों को लेकर अब तक देश में प्रजातांत्रिक तरीके से धरने, प्रदर्शन, रास्ता रोको और घेराव जैसे सभी तरीकों का इस्तेमाल कर चुका है। जाहिर है कि किसानों के लिए ये सभी तौर-तरीके अमोघ अस्त्र साबित नहीं हुए। अब किसानों के सामने एक ही विकल्प बचा है कि वे जहां भी मौक़ा मिले अपने वोट की ताकत का इस्तेमाल करें और सरकार को बता दें कि अन्नदाता ही भारत का भाग्य विधाता है, नेता नहीं। अब सरकार को बदले बिना किसानों के लिए बनाये गए कानून बदलने की कोई सूरत नजर नहीं आ रही है।

सियासत में बड़ी चीज हैं ये छोटी पार्टियां

नदीम

अगर आप कभी केंद्रीय निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर गए होंगे तो आपकी नजर जरूर इस तथ्य पर गई होगी कि भारत में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त दलों के अलावा लगभग तीन हजार पंजीकृत राजनीतिक दल हैं। यह संख्या आपको जरूर चौंकाती होगी क्योंकि उनमें से बहुत सारे ऐसे दल होंगे, जिनके कभी आपने नाम भी नहीं सुने होंगे। 2019 के लोकसभा चुनाव के आंकड़ों को खंगालें तो पाएंगे कि सात राष्ट्रीय दलों, 43 राज्य स्तर पर मान्यता प्राप्त दलों के साथ-साथ 623 पंजीकृत पार्टियों ने भी अपने उम्मीदवार उतारे थे। मान्यता प्राप्त और पंजीकृत दलों के बीच यह फर्क होता है कि मान्यता के लिए केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने वोटों के प्रतिशत और जीतने वाली सीटों की संख्या को लेकर मानक तय कर रखे हैं। जो पार्टियां मानक को पूरा कर लेती हैं, उन्हें मान्यता मिल जाती है, बाकी पंजीकृत दल के रूप में जानी जाती हैं। पीछे जाने की जरूरत नहीं है। यूपी, पंजाब, उत्तराखंड सहित जिन पांच राज्यों के चुनाव अगले छह महीने के अंदर होने हैं, वहां से आने वाली चुनावी खबरों पर ही एक नजर डाल लें तो साफ हो जाएगा कि कैसे छोटे-छोटे जनाधार वाले दल बड़े जनाधार वाले दलों को अपने आगे-पीछे घूमने के लिए बाध्य किए हुए हैं। बीजेपी जैसी पार्टी में अमित शाह और जेपी नड्डा जैसे नेता निषाद पार्टी को अपने साथ बनाए रखने के लिए उसके अध्यक्ष संजय निषाद से लगातार मीटिंग का सिलसिला बनाए हुए हैं। भारतीय समाज पार्टी है कि बीजेपी से अलग होकर उसको हराने के लिए कमर कसे घूम रही है, लेकिन यूपी बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष से बंद कमरे में मुलाकात कर उनकी नाराजगी खत्म करने की कोशिश में दिखते हैं। अपना दल की नाराजगी खत्म करने को तो अनुप्रिया पटेल को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में भी जगह दे दी जाती है।ऐसा हाल सिर्फ बीजेपी का ही नहीं है। बंगाल चुनाव के मौके पर कांग्रेस ने वहां एक धार्मिक स्थल के सज्जादानशीन अब्बास सिद्दीकी के नेतृत्व में बने इंडियन सेक्युलर फ्रंट से गठबंधन किया था क्योंकि यह माना जा रहा था कि राज्य के मुसलमानों के बीच उस धार्मिक स्थल की मान्यता है और सज्जादानशीन के जरिए वह उनका समर्थन हासिल कर सकती है। असम में भी कांग्रेस ने अलग-अलग इलाकों में प्रभाव रखने वाले स्थानीय दलों के साथ महागठबंधन किया था। यूपी, जहां पिछले विधानसभा चुनाव में वह समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव मैदान में गई थी, इस बार उसने वहां एसपी-बीएसपी के साथ गठबंधन की कोशिश में अपना वक्त खराब करने के बजाय दो टूक ऐलान कर दिया है, राज्य के अलग-अलग इलाकों में सक्रिय छोटे-छोटे दलों के साथ गठबंधन करेगी। ऐसा ही वह गोवा, मणिपुर में भी करने का इरादा किए हुए है।

यूपी में समाजवादी पार्टी एक बड़ी ताकत रखती है। 2019 के लोकसभा चुनाव में उसने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया था लेकिन इस बार वह न तो बहुजन समाज पार्टी के साथ और न ही कांग्रेस के साथ किसी तरह के गठबंधन की कोशिश में है। वह महान दल, जनवादी पार्टी जैसे दलों के साथ अपना राब्ता कायम किए हुए है और यह मानकर चला जा रहा है कि आने वाले वक्त में वह इन दलों के साथ गठजोड़ कर सकती है। बंगाल चुनाव जीतने के बाद तृणमूल कांग्रेस पूर्वोत्तर राज्यों में अपने विस्तार के लिए गंभीर दिख रही है लेकिन इन राज्यों में भी वह वहां पहले से स्थापित कांग्रेस या वामदलों के बजाय छोटे-छोटे क्षेत्रीय दलों को तवज्जो देना बेहतर समझ रही है। उसकी बातचीत भी ऐसे दलों से शुरू हो गई है। यह सचाई है कि जो छोटे दल हैं, वे पूरे राज्य में अपना जनाधार नहीं रखते हैं। राज्य के छोटे-छोटे हिस्सों में अलग-अलग जातियों और समूहों की नुमाइंदगी करते हैं। उनके बीच उनका बेस वोट होता है। जब ये दल अकेले चुनाव मैदान में जाते हैं, तो ताकत नहीं बन पाते। अगर आप अलग-अलग राज्यों के चुनावी नतीजों पर गौर करें तो पाएंगे कि अकेले चुनाव लड़ने की स्थिति में ये छोटे दल कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाते लेकिन किसी बड़ी पार्टी का साथ मिलते ही प्रभावी बन जाते हैं। खुद भी जीत दर्ज करने में कामयाब हो जाते हैं और जिस बड़ी पार्टी के साथ होते हैं, उसकी भी जीत का दायरा बढ़ा देते हैं। 2017 में यूपी में बीजेपी का 'वनवास' खत्म होने में मोदी के चेहरे का योगदान तो था ही लेकिन 300 सीट जीतने में छोटे दलों के साथ गठबंधन की महती भूमिका थी। राजभर समाज की नुमाइंदगी करने वाली ओमप्रकाश राजभर की भारतीय समाज पार्टी जब तक अकेले चुनाव लड़ती रही, उसे कामयाबी नहीं मिली लेकिन 2017 में बीजेपी गठबंधन का हिस्सा बनते ही उसके चार विधायक जीत गए। इसी आधार पर वह योगी सरकार में भी शामिल हुई, यह अलग बात है कि 2019 में उसने अपना रास्ता अलग कर लिया। अपना दल ओबीसी में आने वाली कुर्मी जाति की नुमाइंदगी करता है। जब तक अकेले लड़ा अधिकतम तीन विधायक ही जीते थे, पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष डॉ सोनेलाल पटेल कभी चुनाव नहीं जीत पाए। बीजेपी के गठबंधन में उसे न केवल केंद्र सरकार में प्रतिनिधित्व मिल गया बल्कि विधानसभा में उसके 9 विधायक जीत गए। बिहार में भी एनडीए को 'हम' और 'वीआईपी' का साथ लेने का फायदा मिला। यही वजह है कि सियासत में अब छोटे दल बड़ी पार्टियों की जरूरत बन गए हैं।

गांधी के रास्ते पर किसान

सर्वमित्रा सुरजन

मुजफ्फरनगर की महापंचायत में मंच से लगे धार्मिक नारे भी इस वक्त बहस का नया मुद्दा बने हुए हैं। यहां भी समाज का दोहरा मापदंड दिखाई दे रहा है। देश के कई राजनेता अपनी धार्मिक आस्था का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं। कई सरकारी उद्घाटनों में हवन किया जाता है, नारियल फोड़े जाते हैं, संविधान की शपथ लेने वाले सरेआम धार्मिक कट्टरता से भरे बयान देते हैं, जिससे बाकियों की आस्था को चोट पहुंच सकती है। हिंदुस्तान के किसान इस वक्त देश के लिए शारीरिक खुराक के साथ-साथ मानसिक खुराक का प्रबंध भी कर रहे हैं। जनता को अपने हालात पर चिंतन और विमर्श की नयी राह दिखा रहे हैं। यह सर्वज्ञात है कि पिछले 9 महीनों से तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में किसान शांतिपूर्ण, अहिंसक आंदोलन कर रहे हैं। इन कानूनों के अमल में आने से किसानों का उनकी अपनी उपज, अपनी जमीन पर ही हक नहीं रह जाएगा। कृषि मंडियों के होने से किसानों को जो आर्थिक, राजनैतिक शक्ति प्राप्त होती है, वह भी खत्म हो जाएगी। जबकि कार्पोरेट ताकतों को कृषि पर कब्जा करने का हक मिल जाएगा। उसके बाद देश का आर्थिक परिदृश्य कैसा होगा, ये समझना कठिन नहीं है।

इस वक्त जिस तरह की जबरिया महंगाई और बेरोजगारी का आलम हम देख रहे हैं, वो आने वाले बरसों में और भयावह शक्ल अख्तियार कर लेगी। अभी पेट्रोल-डीजल के दामों और खाद्य तेलों की महंगाई प्रत्यक्ष नजर आ रही है, नए कृषि कानून आने के बाद कई और उत्पादों में अकारण मूल्यवृद्धि होने लगेगी और उसका मुनाफा सीधे उद्योगपतियों की जेब में जाएगा। अभी घाटे वाली सार्वजनिक इकाइयों के साथ-साथ मुनाफा देने वाले नवरत्नों को भी निजीकरण के बाजार में बोली लगाकर खड़ा कर दिया गया है। सार्वजनिक उद्योगों के साथ-साथ उनकी जमीन भी बेचने की तैयारी हो गई है। यह तैयारी आगे खेती की जमीन हड़पने की भी हो सकती है। आम जनता अपने साथ हो रहे इस शोषण को थोड़ी बहुत कसमसाहट के साथ बर्दाश्त कर रही है। क्योंकि सरकार को उसी ने चुना है। लेकिन किसानों ने इस शोषण के आगे आवाज उठाने की हिम्मत दिखाई है। उनके पास उनके आत्मबल, परस्पर भरोसे और एक-दूसरे के साथ के अलावा कोई हथियार नहीं है। इसी के दम पर वे दिल्ली की कड़कड़ाती ठंड, उस ठंड में होने वाली बारिश, उसके बाद तपती गर्मी, इन सब को सहते हुए मोर्चे पर डटे रहे। मौसम की मार के अलावा उन्होंने चारित्रिक लांछनों का भी सामना किया। मानसिक प्रताड़नाएं सहन की, लेकिन अपने लक्ष्य से नहीं भटके। किसानों की सीधी मांग है कि नए कानून जब तक वापस नहीं लिए जाएंगे, तब तक किसान अपने आंदोलन से पीछे नहीं हटेंगे,चाहे इसके लिए उन्हें 2024 तक इस संघर्ष को क्यों न खींचना पड़े। किसान आंदोलन का असर उत्तरप्रदेश के पंचायत चुनाव से लेकर प. बंगाल चुनाव तक भाजपा ने देख लिया। अब यह असर आगामी विधानसभा चुनाव में देखने मिल सकता है, इसके संकेत बीते 5 सितम्बर को मुजफ्फरनगर की महापंचायत में मिल गए। मोदी सरकार के अंधसमर्थकों को इन संकेतों में साजिश दिख रही है। इसलिए वे इस महापंचायत में राजनीति के तत्व ढूंढ-ढूंढ कर निकाल रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि कृषि कानूनों के बहाने किसान राजनीति कर रहे हैं, भाजपा को हराने की तैयारी कर रहे हैं।

इन भक्तों से पूछा जाना चाहिए कि एक लोकतांत्रिक देश में अगर लोक राजनीति की बात नहीं करेगा, तो फिर लोकतंत्र कैसे बचेगा। किसान इस देश के नागरिक हैं और उन्हें पूरा हक है कि वे देश की राजनीति पर चर्चा करें और इस बात पर विमर्श करें कि किस सरकार में उनके हित सुरक्षित हैं, किसमें उनके हित दांव पर लग रहे हैं। इस महापंचायत में सरकार के निजीकरण के फैसले की भी आलोचना हुई और इस बात पर चिंता जतलाई गई कि देश पर बिकाऊ होने का तमगा लगाकर तमाम क्षेत्रों को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है, जिससे आने वाले समय में बेरोजगारी बढ़ जाएगी। ऐसी चिंता कायदे से देश के हरेक नागरिक को करना चाहिए, लेकिन फिलहाल किसान ये काम कर के देश को नयी राह ही दिखा रहे हैं। मुजफ्फरनगर की महापंचायत में मंच से लगे धार्मिक नारे भी इस वक्त बहस का नया मुद्दा बने हुए हैं। यहां भी समाज का दोहरा मापदंड दिखाई दे रहा है। देश के कई राजनेता अपनी धार्मिक आस्था का सार्वजनिक प्रदर्शन करते हैं। कई सरकारी उद्घाटनों में हवन किया जाता है, नारियल फोड़े जाते हैं, संविधान की शपथ लेने वाले सरेआम धार्मिक कट्टरता से भरे बयान देते हैं, जिससे बाकियों की आस्था को चोट पहुंच सकती है। लेकिन तब आपत्ति जतलाने वाले कम होते हैं।

अब किसानों ने अपने मंच से अल्ला हू अकबर और हर-हर महादेव के नारे क्या लगाए, धर्म पर खतरा नजर आने लग गया। सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश में लगे लोगों ने महापंचायत के मंच से किसान नेता राकेश टिकैत के अल्ला हू अकबर वाले नारे को दिखाकर सोशल मीडिया पर पूछना शुरु कर दिया कि ये क्यों किया जा रहा है। बड़ी चालाकी से इसमें केवल अल्ला हू अकबर के हिस्से को दिखाया गया और हर हर महादेव के उद्घोष को छिपा दिया गया। जबकि सच ये है कि महापंचायत में दोनों नारे बराबरी से लगे और इसके पीछे बड़े सामाजिक निहितार्थ हैं।

महेन्द्र सिंह टिकैत के वक्त भी किसानों के मंच से ये दोनों धार्मिक नारे लगा करते थे, हालांकि तब भारत धर्म के नाम पर फैले जहर का इस तरह शिकार नहीं हुआ था। इस वक्त राकेश टिकैत को फिर से इन नारों की जरूरत इसलिए महसूस हुई क्योंकि समाज में धर्म के नाम पर संकीर्णता और कट्टरता बढ़ गयी है। 2013 में इसी मुजफ्फरनगर में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, जिनमें इंसानियत ही खाक हुई थी। इसी खाक पर आगे 2017 में भाजपा की सत्ता कायम हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने किस तरह श्मशान और कब्रिस्तान का जिक्र किया था, उसे आम नागरिकों ने भुला दिया होगा, लेकिन किसानों ने याद रखा। क्योंकि किसानों ने देखा कि सत्ता में आने के बाद राम मंदिर की नींव तो तैयार हो गई, लेकिन गन्ना किसानों को उनका बकाया नहीं मिला। बुनकरों का काम चौपट हो गया। दलितों के हितों की रक्षा नहीं हुई। स्त्रियों को सुरक्षा नहीं मिली। नौजवानों को रोजगार नहीं मिला। इसलिए किसान महापंचायत में इस बात का खास तौर पर जिक्र किया गया कि ये लोग बांटने का काम कर रहे हैं। हमें इन्हें रोकना है। किसानों ने धार्मिक एकता की पहल ही की है, दंगों का विरोध किया है, लेकिन उसमें भी अगर कुछ लोगों को आपत्ति है और इसमें राजनीति नजर आ रही है, तो फिर ये समझा जा सकता है कि ये कौन लोग हैं जिन्हें हिंदू-मुसलमानों के एक होने से तकलीफ है। जहां तक सवाल अल्ला हू अकबर और हर हर महादेव का है, तो दोनों ही नारे ईश्वर की सत्ता को ही स्थापित कर रहे हैं। फर्क केवल जुबानों का है, मतलब तो दोनों का एक जैसा ही है। दरअसल किसानों का ये तरीका गांधीजी की सर्वधर्म प्रार्थना सभा के जैसा ही है। गांधीजी कर्मकांडी नहीं थे, लेकिन उनके आश्रमों में सुबह-शाम प्रार्थना सभा होती थी, जिसमें सभी धर्मग्रंथों के अंश पढ़े जाते थे। गांधीजी अक्सर चार्ल्स एंड्रयूज, विनोबा भावे, बालकोवा भावे, मीरा बेन और रैहाना तैयबजी की मौजूदगी में भजन किया करते थे। रामधुन के साथ, कुरान और बाइबल के पाठ से इस्लाम और ईसाई धर्म के लोकप्रिय भजन, पारसी भजन सभी कुछ प्रार्थना सभा का हिस्सा थे।

सर्वधर्म प्रार्थना से गांधीजी को किस तरह ताकत मिलती थी, इसका अनुभव दुनिया ने कई बार किया। जैसे 1924 में सांप्रदायिक सद्भाव के लिए गांधीजी ने लंबा उपवास किया था, उस वक्त दिल्ली में अली बंधुओं के घर पर विनोबा भावे से उपनिषद, इमाम साहब से कुरान का पाठ कराया, जॉर्ज जोजफ और चार्ल्स एंड्रयूज से भजन गवाए और सबसे मिल-जुलकर गांधीजी ने उपवास तोड़ा। इस तरह के कई और प्रकरण इतिहास में दर्ज हैं, लेकिन इसके लिए गांधी को पढ़ने और समझने की जहमत उठानी पड़ेगी। किसानों ने गांधीजी को कितना पढ़ा, ये तो कहा नहीं जा सकता, लेकिन जिस तरीके से वे अपना विरोध सरकार के सामने प्रकट कर रहे हैं और जिस तरह मौजूदा राजनीति की बुराइयों से जूझ रहे हैं, उससे यह नजर आ रहा है कि वे गांधीजी को समझते हैं और इस देश की ऐतिहासिक विरासत को भी।

आतंकवादी बन गया अफगानिस्तान का गृहमंत्री, अब आतंकवाद नहीं तो और क्या बढ़ेगा ?

अशोक मधुप

अमेरिका अफगानिस्तान से ऐसे ही नहीं गया। बीस साल यहां रहकर ऐसा कर गया है कि अफगानिस्तान के जल्दी हो टुकड़े हो जाएंगे। अमेरिका का इतिहास रहा है कि वह जिस मुल्क में रहा है, वहां से जाने के बाद उसके टुकड़े हो गए हैं। सिर्फ वियतनाम में नहीं हुआ। अफगानिस्तान की फ़ौज ने भले ही तालिबान के सामने हथियार डाल दिए हों। उसने इस्लामिक कट्टरवाद के सामने सर झुका दिया हो पर अफगानिस्तान की महिला शक्ति और युवक अब गुलामी बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। पिछले तीन दिन से अफगानिस्तान में उसके खिलाफ प्रदर्शन चल रहे हैं। वे पाकिस्तान और अफगानिस्तान में नए आये तालिबान के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कई दिन पहले काबुल का पांच महिलाओं के प्रदर्शन का आया समाचार ये बताने के लिए काफी था कि चिंगारी अंदर ही अंदर दहक रही है। अब के प्रदर्शन ये बताने को बहुत हैं कि वह चिंगारी अब भयंकर रूप ले चुकी है। समाचार यह है कि महिलाओं और युवकों के प्रदर्शन को तित्तर-बित्तर करने के लिए तालिबानी लड़ाकों को फायरिंग करनी पड़ी। इसमें प्रदर्शनकारी कुछ महिलाएं घायल भी हुई हैं। लेकिन महिलाओं और युवकों के बढ़ते प्रदर्शन उनका निर्णय बताने के लिए काफी हैं। ये बताने के लिए काफी हैं कि वे तय किये बैठे हैं कि पिछले 20 साल में जो उन्हें आजादी मिली, उम्मीद की जो नई रोशनी दिखी उसे वह खोने नहीं देंगे।

उधर पंजशीर पर तालिबान के कब्जे के भले ही समाचार आ रहे हों पर उसकी जंग अभी खत्म नही हुई। वहां के लड़ाके उसी तरह पहाड़ों में जाकर छिप गए हैं जैसे तालिबान अमेरिकी हमलों से बचने को पहाड़ों में जा छिपते थे। मौका पाकर, शक्ति बटोर कर फिर हमलावर हो जाते थे। अब अफगानिस्तान की नई सरकार की घोषणा हो गई। किंतु हाल की उस घटना को नहीं भुलाया जा सकता। सरकार में प्रभुत्व को लेकर तालिबान के दो गुट में संघर्ष हुआ है। तालिबान के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल ग़नी बरादर अपने संगठन के सहयोगी हक़्क़ानी नेटवर्क के साथ एक झड़प में घायल हो गए। ये झड़प तालिबान के दोनों धड़ों के बीच हुई। अब अब्दुल ग़नी बरादर अपना इलाज पाकिस्तान में करा रहे हैं। अमेरिका अफगानिस्तान से ऐसे ही नहीं गया। बीस साल यहां रहकर ऐसा कर गया है कि अफगानिस्तान के जल्दी हो टुकड़े हो जाएंगे। अमेरिका का इतिहास रहा है कि वह जिस मुल्क में रहा है, वहां से जाने के बाद उसके टुकड़े हो गए हैं। सिर्फ वियतनाम में नहीं हुआ। आज जो पूरी दुनिया में तमाम लोग यह कहकर खुशी मना रहे हैं कि अमेरिका तालिबान के सामने हार गया। अमेरिका पीठ दिखा कर चला गया। सच्चाई यह है कि अमेरिका का असली खेल दूसरे देश से जाने के बाद शुरू होता है। सोमालिया तीन हिस्से में टूट चुका है। लीबिया के पांच हिस्से हो गए। इराक के अलग-अलग हिस्से में अलग-अलग सरकार है। कुर्दिस्तान अलग देश बन चुका है। सुन्नी एरिया में सुन्नी सरकार है। शिया बहुल इलाकों में शिया सरकार है। अफगानिस्तान का इतिहास भी ऐसा ही होने वाला है। अफगानिस्तान कबीलों में बंटा देश है। इन कबीलों में एक दूसरे से शक्तिशाली और इस्लामिक बनाने की प्रतिस्पर्धा है। ये मुश्किल से ही एक दूसरे के वर्चस्व को स्वीकार करेंगे और आपस में ही मारकाट मचाएंगे। एक दूसरे का खून बहाएंगे। तालिबान लड़ाकों में भी खुद कई गुट हैं।दूसरे अमेरिका के चुपचाप चले जाने के और भी कई अर्थ हैं। उसने तालिबान से समझौता किया है कि वह अफगानिस्तान की भूमि को अमेरिका और मित्र राष्ट्रों के विरोधियों को इस्तमाल नहीं करने देगा। वह जानता था कि तालिबान अपनी बात के पक्के नहीं हैं फिर भी उसने पासा फेंका और अफगानिस्तान की खाई से निकल गया। वह अफगानिस्तान से निकल भले ही गया हो, किंतु आसपास में मौजूद होकर यहां के हालात पर नजर रखे है।

हम नहीं जानते मैच होगा या नहीं... 5वें टेस्ट से पहले टीम इंडिया के स्टाफ को कोरोना होने पर बोले सौरव गांगुली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जाने वाले पांचवे टेस्ट पर पर संकट के बादल घिर गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट से पहले भारतीय क्रिकेट टीम के जूनियर फिजियो योगेश परमार कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि इस समय हम नहीं बना सकते कि मैच होगा कि नहीं। फिजियो योगेश परमार के कोराना पॉजिटिव आने के चलते भारतीय टीम को मैच से पहले अपना प्रैक्टिस सेशन भी रद्द करना पड़ा है। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से मैनचेस्टर में 5वां टेस्ट मैच खेला जाना है। गांगुली ने कोलकाता में 'मिशन डोमिनेशन' की किताब के विमोचन के मौके पर कहा, ठहमें नहीं पता कि इस समय मैच होगा या नहीं। उम्मीद है कि हमें कुछ खेल मिलेगा।' खिलाड़ियों की आरटी-पीसीआर जांच की रिपोर्ट का अभी इंतजार है। हेड कोच रवि शास्त्री के ओवल टेस्ट मैच के दौरान संक्रमित पाए जाने के बाद से मुख्य फिजियो नितिन पटेल क्वारंटाइन पर हैं। परमार के पॉजिटिव आने से टीम इंडिया के पास अब एक भी फिजियो नहीं है।

बीसीसीआई ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से फिजियो की सेवाएं मुहैया कराने के लिये कहा है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा, 'आरटी पीसीआर परीक्षण का नतीजा दिन में बाद में आएगा जिसके आधार पर मैच के बारे में फैसला किया जाएगा। खिलाड़ियों को अपने अपने कमरों में रहने के लिये कहा गया है तथा आरटी पीसीआर परीक्षण किये जा रहे हैं। गौरतलब है किरवि शास्त्री के अलावा फील्डिंग कोच आर. श्रीधर, बॉलिंग कोच भारत अरुण और फिजियो नितिन पटेल लंदन में आइसोलेशन में है। ओवल टेस्ट पांचवे दिन मैत जीतने के दौरान टीन के साथ सिर्फ बैटिंग कोच विक्रम राठौर ही थे।भारत इस समय पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है। भारत ने ओवल में इंग्लैंड को 157 रनों से हराकर सीरीज में बढ़त बनाई थी। टीम इंडिया ने ओवल में 50 साल बाद टेस्ट जीता था। भारत की तरफ से रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, शार्दुल ठाकुर और जसप्रीत बुमराह ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। टीम इंडिया के पास इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने का शानदार मौका है।

5वें टेस्ट से पहले फिर कोरोना का साया, टीम इंडिया के सपोर्टिंग स्टाफ का सदस्य पॉजिटिव, प्रैक्टिस सेशन रद्द

मैनचेस्टर (एजेंसी)। इंग्लैंड दौरे पर 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही टीम इंडिया को एक बार फिर से कोरोना का साया पड़ा है। भारतीय क्रिकेट टीम के जूनियर फिजियो योगेश परमार 5वें टेस्ट मैच से पहले कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इसके चलते भारतीय टीम को मैच से पहले अपना प्रैक्टिस सेशन भी रद्द करना पड़ा है। भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से मैनचेस्टर में 5वां टेस्ट मैच खेला जाना है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने पीटीआई को इसकी जानकारी दी।परमार के पॉजिटिव आने से टीम इंडिया के पास अब एक भी फिजियो नहीं है। हेड कोच रवि शास्त्री के ओवल टेस्ट मैच के दौरान संक्रमित पाए जाने के बाद से मुख्य फिजियो नितिन पटेल क्वारंटाइन पर हैं। बीसीसीआई ने इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से फिजियो की सेवाएं मुहैया कराने के लिये कहा है। बोर्ड के सूत्रों ने कहा, 'आरटी पीसीआर परीक्षण का नतीजा दिन में बाद में आएगा जिसके आधार पर मैच के बारे में फैसला किया जाएगा। खिलाड़ियों को अपने अपने कमरों में रहने के लिये कहा गया है तथा आरटी पीसीआर परीक्षण किये जा रहे हैं। गौरतलब है क चौथे टेस्ट मैच के दौरान कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद से टीम के हेड कोच रवि शास्त्री पहले ही आइसोलेशन में हैं। उनके अलावा फील्डिंग कोच आर. श्रीधर, बॉलिंग कोच भारत अरुण और फिजियो नितिन पटेल भी लंदन में आइसोलेशन में हैं। फिलहाल टीम इंडिया के साथ सिर्फ बैटिंग कोच विक्रम राठौर ही हैं। हालांकि इन संकटों के बाद भी टीम इंडिया ने ओवल में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में इंग्लैंड टीम पर शानदार जीत हासिल की थी।5 टेस्ट मैचों की सीरीज में भारतीय टीम ने इसके साथ ही अजेय बढ़त हासिल कर ली है। फिलहाल भारतीय टीम की बढ़त 2-1 की है और यदि इंग्लैंड टीम पांचवें मैच में जीत हासिल भी करती है तो सीरीज उसके हाथ नहीं लगेगी और मुकाबला बराबरी पर छूटेगा।

बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने बताया, एमएस धोनी के मेंटोर बनने से टीम इंडिया को कैसे होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के टीम इंडिया के मेंटोर बनाने पर खुशी जताई। गांगुली ने गुरुवार को कहा कि महेंद्र सिंह धोनी को आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम का मार्गदर्शक (मेंटोर) उनके अपार अनुभव का फायदा उठाने के लिए बनाया गया है।बीसीसीआई ने बुधवार को यह घोषणा कर सभी को हैरान कर दिया कि धोनी 17 अक्टूबर से संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में होने वालेटी-20 वर्ल्ड कप के लियए भारतीय टीम के मेंटोर होंगे। गांगुली ने बीसीसीआई के एक ट्वीट में कहा, 'धोनी को टीम में शामिल करना टी-20 वर्ल्ड कप के लिए उनके अपार अनुभव का इस्तेमाल करने का तरीका है।' मैं धोनी का शुक्रिया करता हूं कि उन्होंने इस टूर्नामेंट के लिए टीम की मदद के लिए बीसीसीआई की पेशकश स्वीकार कर ली। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे सफल कप्तानों में शुमार विकेटकीपर बल्लेबाज धोनी की अगुवाई में भारत ने दो वर्ल्ड कप खिताब (दक्षिण अफ्रीका में 2007 टी20 विश्व कप और भारत में 2011 वनडे विश्व कप जीते हैं।)धोनी इस समय अपनी इंडियन प्रीमियर लीग टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ हैं और संयुक्त अरब अमीरात में 19 सितंबर से बहाल होने वाली टी20 लीग की तैयारियों में जुटे हैं। हालांकि उनकी नियुक्ति पर विवाद हो गया है। उनकी नियुक्ति के खिलाफ मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के पूर्व आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता ने बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की शिकायत भेजी है। उनका कहना है कि ये नियुक्ति लोढ़ा समिति के सुधारों के खिलाफ है।

भारत के महान ऑलराउंडर कपिल देव ने दिया युवा खिलाड़ियों को फिटनेस मंत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान और अपने समय के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर में शुमार कपिल देव अपने समय के सबसे फिट खिलाड़ी हुआ करते थे। आज की क्रिकेट में फिटनेस का बड़ा महत्व है। ऐसे समय में जब सभी क्रिकेटर फिटनेस पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देते हैं, तब सर्वकालिक फिट खिलाड़ी कपिल ने युवा खिलाड़ियों को फिटनेस का मंत्र दिया है। कपिल ने बताया कि जिस तरह से क्रिकेट खेला जाता है, उसे देखते हुए फिट रहना महत्वपूर्ण है। कपिल ने बताया कि खिलाड़ी जिस स्तर तक पहुंचना चाहते हैं उसे तभी हासिल किया जा सकता है जब एथलीट मांसपेशियों के निर्माण की प्रक्रिया पर ध्यान दें। एक वर्चुअल सम्मेलन में वरिष्ठ खेल पत्रकार अयाज मेमन से बात करते हुए कपिल देव ने कहा, 'आज के क्रिकेटर की सोच बिल्कुल अलग है। अगर मुझे युवा खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि जाओ और जितना हो सके दौड़ो। आपकी मांसपेशियों का विकास होगा। और जितना हो सके नेट्स या मैचों में गेंदबाजी करें। जब आप चार ओवर के गेंदबाज बन जाते हैं तो यह बहुत मुश्किल हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'चोटें तो लगेंगी ही। लेकिन अगर नेट्स में बहुत सारे ओवर डालते समय आपकी मांसपेशियां विकसित होती हैं तो यह महत्वपूर्ण है। मैं जानता हूं कि आज के क्रिकेटर जिम में ज्यादा समय बिताते हैं। लेकिन जिम एक विकल्प होना चाहिए जब या तो बारिश हो या कोई विशेष मांसपेशी जिसे आप सुधरना चाहते हैं। जमीन पर दौड़ने से बेहतर और कोई चीज नहीं हो सकती। इस तरह आप चोटों जे जोखिम को कम कर सकते हैं।भारत और इंग्लैंड के बीच चल रहे मौजूदा सीरीज से पहले शुभमन गिल, वाशिंग्टन सुन्दर और आवेश खान जैसे खिलाड़ी चोटिल हो गए थे। कपिल ने खिलाडियों को जिम में समय बिताने के बजाय नेट्स में अभ्यास करने की सलाह दी। कपिल देव ने 131 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस दौरान कपिल कभी चोट के कारण चोटिल नहीं हुए। उन्होंने देश के लिए सिर्फ एक टेस्ट मैच मिस किया उसका कारण भी चोट नहीं थी।

साउथ अफ्रीका की टीम का हुआ ऐलान, फाफ डु प्लेसिस, क्रिस मौरिस और इमरान ताहिर को नहीं मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। साउथ अफ्रीका ने अपने तीन सबसे अनुभवी टी-20 खिलाड़ियों को ही टीम में नहीं चुना है। साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस, लेग स्पिनर इमरान ताहिर और ऑलराउंडर क्रिस मौरिस को टीम में जगह नहीं मिली है। डु प्लेसिस पिछले 6 महीने से टीम से बाहर चल रहे थे। साउथ अफ्रीका की टीम की कमान टेंबा बावुमा को दी गई है। क्विंटन डिकॉक को टीम में जगह मिली है। डेविड मिलर को टी20 टीम में जगह मिली है। तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। स्पिनर तबरेज शम्सी को भी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए चुना गया है। केशव महाराज को टीम में जगह मिली है। महाराज ने साउथ अफ्रीका के लिए कोई टी-20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है।टी-20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका ग्रुप 1 का हिस्सा है। जिसमें उसके अलावा इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज की टीम शामिस हैं और दो टीमें क्वालिफायर्स खेलने के बाद शामिल होंगी। साउथ अफ्रीका वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला सुपर 12 में 23 अक्टूबर को आबू धाबी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप का आगाज 17 अक्टूबर होगा और फाइनल 14 नवंबर को खेला जाएगा।

टीम इंडिया में जगह पाने पर भावुक हुए सूर्यकुमार यादव, इंस्टाग्राम पर लिखा- सपने सच होते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुधवार की रात भारतीय टीम का चयन हो गया। टीम में कई नाम गायब रहे तो कुछ नए नामों को भी मौका मिला। टीम से युवा लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को और चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव को बाहर किया गया तो वहीं अनुभव ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को टीम में शामिल किया किया है। नंबर 4 पर अपनी मजबूत दावेदारी पेश कर चुके भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का चयन वर्ल्ड कप की टीम में हो गया। टीम में चयन होने के बाद भारत के इस स्टार बल्लेबाज ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कहा कि वे टीम में चयन होने पर काफी भावुक हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी भावनाएं जाहिर करते हुए यादव ने लिखा, 'सपने सच होते हैं। मैं टीम टी-20 वर्ल्ड कप में अपने देश का नेतृत्व करने का मौका मिलने पर मैं काफी भावुक हूं और सम्मानित महसूस कर रहा हूं।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे कोच और परिवार को उनके बलिदान, निरंतर प्यार और समर्थन के लिए बहुत बहुत धन्यवाद। आप से इतनी सारी शुभकामनाएं पाकर पूरी तरह अभिभूत हूं और खुद को सचमुच धन्य महसूस कर रहा हूं।' आईपीएल में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलने वाले यादव ने आईपीएल में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी तरफ खींचा। इसी साल इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में उन्हें अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका भी मिल गया। उन्होंने अपने इंटरनेशनल करियर की पहली गेंद पर जोफ्रा आर्चर जैसे तेज गेंदबाज को जोरदार हुक शॉट लगाकर छक्के के लिए भेजा।

धोनी को टीम इंडिया का मेंटोर बनाए जाने पर हुआ विवाद, बीसीसीआई को मिली हितों के टकराव की शिकायत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनो को टी.20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का मेंटॉर बनाने पर विवाद हो गया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड;बीसीसीआईद्ध की शीर्ष परिषद को टी20 वर्ल्ड कप के लिये महेंद्र सिंह धोनी को भारतीय टीम का मेंटॉर बनाए जाने के खिलाफ हितों के टकराव की शिकायत मिली है। बीसीसीआई ने बुधवार को टी.20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान किया था। उसी समय बीसीसीआई ने ये भी जानकारी दी थी कि भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टी.20 वर्ल्ड कप में टीम के मेंटर होंगे। मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ के पूर्व आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता ने बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की शिकायत भेजी है। उनका कहना है कि ये नियुक्ति लोढ़ा समिति के सुधारों के खिलाफ है। उन्होंने बीसीसीआई की शीर्ष परिषद को लिखे पत्र में कहाए धोनी की नियुक्ति हितों के टकराव के नियमों का उल्लघंन हैए जिसके तहत एक व्यक्ति दो पद धारण नहीं कर सकता। धोनी आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान भी हैं। गुप्ता ने बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरव गांगुली और जय शाह समेत शीर्ष परिषद के सदस्यों को एक पत्र भेजा है। उन्होंने बीसीसीआई के संविधान के खंड 38;4द्ध का हवाला दिया हैए जिसमें स्पष्ट तौर पर कहा गया है कि एक व्यक्ति दो अलग.अलग पदों पर नहीं हो सकता है। शीर्ष परिषद को इसके प्रभावों की जांच के लिए अपनी कानूनी टीम से परामर्श करने की आवश्यकता होगी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने नाम ना बताने की शर्त पर पीटीआई को ये जानकारी दी। गौरतलब है कि धोनी ने पिछले साल 15 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया ने टी.20 वर्ल्ड कप 2007ए वनडे वर्ल्ड कप 2011 और चैंपियस ट्रॉफी जीती थी।

पूर्व इंग्लिश कप्तान ज्यॉफ्री बॉयकॉट ने बताया, कैसे इंग्लैंड की कमजोरी का फायदा एशेज में उठा सकता है ऑस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। शुक्रवार से मैनचेस्टर में पांचवां और आखिरी टेस्ट मैच खेला जाएगा। अगर भारत आखिरी टेस्ट जीतकर इतिहास बनाना चाहेगा तो वहीं इंग्लैंड की नजर वापसी पर होगी। इन सबके बीच इस पूरी टेस्ट सीरीज के दौरा इंग्लैंड की बैटिंग की पोल खुल गई है। इंग्लिश कप्तान जो रूट के अलावा सभी बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते दिख रहे हैं। तीसरे और चौथे टेस्ट के दौरान सलामी बल्लेबाज रॉरी बर्न्स और हसीब हमीद ने भी टीम को अच्छी शुरूआत दी। इसके बाद भी इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्यॉफ्री बॉयकॉट इंग्लैंड की बल्लेबाजी को लेकर काफी चिंतित हैं। बॉयकॉट ने एशेज शुरू होने से पहले टीम को चेतावनी देते हुए कहा कि पैट कमिंस और जोश हेजलवुड जैसे कंगारू गेंदबाज इंग्लिश बल्लेबाजों को गेंदबाजी करने के लिए बेताब होंगे। दी टेलीग्राफ में अपने कॉलम में इस पूर्व इंग्लिश बल्लेबाज और कप्तान ने लिखा, 'ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने द ओवल के फुटेज देखी होगी। पैट कमिंस और जोश हेजलवुड हमें गेंदबाजी करने के लिए उत्सुक होंगे। इंग्लैंड के बल्लेबाजों को आईने के सामने कड़ी होने और खुद के प्रति ईमानदार रहने की जरूरत है। जो कुछ भी है उसे बदल देब क्योंकि वह काम नहीं कर रहा है। बल्लेबाजी करते समय हर किसी किसी में उम्मीदें, भावनाएं और नर्वसनेस होती हैं लेकिन हमें उन पर जीत हासिल करनी होती है और अच्छा खेलना होता है। हमारे खिलाड़ी दबाव में बिखर जाते हैं।' इंग्लैंड की कड़ी आलोचना करते हुए बॉयकॉट ने लिखा, 'सीधे शब्दों में कहें तो इंग्लैंड काफी अच्छी नहीं है। जब इंग्लैंड जीतता हैं तो हमें मौका देने के लिए जो रूट को असाधारण बल्लेबाजी करनी होगी। लेकिन एक टॉप टीम बनने के लिए आपको एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं होना चाहिए। दूसरे बल्लेबाजों को भी आगे आ कर अपना काम करना होगा। जब हम बल्लेबाजी कर रहे होते हैं तो इंग्लैंड के अधिकांश क्रिकेट समर्थक अपनी सीटों के किनारे पर बैठते हैं और सोचते हैं कि हम कैसा खेलेंगे। उन्हें हमारे बल्लेबाजों पर भरोसा नहीं है।'

मौजूदा सीरीज की बात करें तो इंग्लैंड के कप्तान जो रूट के अलावा कोई भी इंग्लिश बल्लेबाज इस सीरीज में प्रभावित नहीं कर पाया है। मौजूदा सीरीज में जो रूट ने 3 शतक और एक अर्धशतक की मदद से 564 रन बनाए हैं। टीम के अच्छे प्रदर्शन का जिम्मा सिर्फ कप्तान पर रह गया है। बॉयकॉट का मानना है कि आनेवाले समय में यह टीम के लिए घातक साबित हो सकता है। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाने वाला एतिहासिक एशेज सीरीज दिसंबर में खेली जाएगी। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गैरमौजूदगी में इंग्लैंड की गेंदबाजी में वो धार इस बार नहीं नजर आएगी।

पांचवां और अंतिम टेस्ट शुक्रवार से, भारत को सीरीज जीतने में बारिश कर सकती है मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टेस्ट से पहले मौसम विभाग ने पहले दो दिन बारिश की चेतावनी दी है जो सीरीज में 2.1 से चल रही भारतीय टीम के लिए खुशी की बात है। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच शुक्रवार से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाएगा। विराट कोहली अगर सीरीज जीत लेते हैं तो आस्ट्रेलिया ;2018.19द्ध और इंग्लैंड ;2021द्ध में टेस्ट सीरीज जीतने वाले पहले भारतीय कप्तान बन जाएंगे। सीरीज में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने की दहलीज पर खड़ी भारतीय क्रिकेट टीम जसप्रीत बुमराह के वर्कलोड और अजिंक्य रहाणे के फॉर्म को लेकर चिंतित होगी जिनके पास अपना इंटरनेशनल करियर बचाने का शायद यह आखिरी मौका होगा। वैसे पिछले चार टेस्ट की तरह भारतीय टीम का चयन चर्चा का विषय होगा। बुमराह पिछले एक महीने में 151 ओवर डाल चुके हैं जिसमें ओवल टेस्ट पर चौथे और पांचवें दिन के 22 ओवर शामिल हैं। भारत ने वह टेस्ट 157 रन से जीता। टीम मैनेजमेंट यह भी सोच रहा होगा कि रहाणे को टीम में रखा जाए या नहीं जो ओवल पर बल्लेबाजों की मददगार पिच पर दोनों पारियों में नाकाम रहे। सात पारियों में से छह में नाकामी से रहाणे का आत्मविश्वास हिल गया होगा। यह सीरीज का आखिरी टेस्ट है और कोहली उन्हें एक मौका और दे सकते हैं। इसमें नाकाम रहने पर उनका अंतरराष्ट्रीय कैरियर लगभग खत्म ही हो जाएंगे क्योंकि वह 33 साल के हो भी चुके हैं। उन्हें मौका नहीं मिलता है तो सूर्यकुमार यादव या हनुमा विहारी को उतारा जा सकता है ताकि जेम्स एंडरसन के बिना उतर रहे इंग्लैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया जा सके। भारतीय टीम के लिये खासकर बुमराह के लिए कार्यभार प्रबंधन चिंता का सबब है। पिछले मैच में ओली पोप और जॉनी बेयरस्टॉ को जिस तरह उन्होंने रिवर्स स्विंग से परेशान किया उनके नहीं खेलने की सोचकर भी इंग्लैंड के बल्लेबाजों की बांछे खिल गई होगी। मोहम्मद शमी के फिट होने के साथ उनका प्लेइंग इलेवन में रहना तय है। लेकिन मुख्य कोच रवि शास्त्रीए गेंदबाजी कोच भरत अरूण की गैर मौजूदगी में कप्तान कोहली का फैसला अहम होगा। कोरोना संक्रमण के कारण शास्त्री और अरूण पृथकवास में हैं। गेंदबाजों की मददगार परिस्थितियों में बुमराह को बाहर रखने का फैसला समझदारी नहीं होगा लेकिन छह सप्ताह बाद टी20 विश्व कप होना है और भारतीय टीम कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी। पिछले मैच में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले उमेश यादव ;छह विकेटद्ध और हरफनमौला शार्दुल ठाकुर ;तीन विकेट और 117 रनद्ध का खेलना तय लग रहा है। बुमराह को आराम देने पर मोहम्मद सिराज को उतारा जा सकता है।

अब त्रिपुरा में बीजेपी को टक्कर देगी तृणमूल कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बीजेपी से मिलने वाली कड़ी चुनौती के बावजूद जीत की हैंट्रिक बनाने के बाद तृणमूल कांग्रेस की निगाहें अब पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा पर हैंण् ममता की पार्टी सत्ताधारी बीजेपी को कड़ी चुनौती दे रहे हैंण्तृणमूल कांग्रेस के तमाम नेताए सांसद और मंत्री बीते करीब डेढ़ महीने से लगातार इस पर्वतीय राज्य का दौरा कर रहे हैं जहां बिप्लब देब के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार चल रही हैण् अब राज्य में तृणमूल कांग्रेस ;टीएमसीद्ध संगठन को मजबूत करने के लिए ममता बनर्जी ने कांग्रेस के पूर्व दिग्गज संतोष मोहन देव की पुत्री सुष्मिता देव को पार्टी की जिम्मेदारी सौंपी हैण् वह खुद भी कांग्रेस सांसद रह चुकी हैंण् बीते दिनों कोलकाता में टीएमसी का दामन थामने के बाद ही सुष्मिता फिलहाल दो सप्ताह के दौरे पर त्रिपुरा पहुंच गई हैंण् अब शायद बीजेपी भी टीएमसी की चुनौती को गंभीरता से लेने लगी हैंण् शायद यही वजह है कि इस सप्ताह हुए मंत्रिमंडल विस्तार में कई असंतुष्ट नेताओं को जगह दी गई हैण् बंगाल की राजनीति पहुंची त्रिपुरा कुछ महीने पहले पश्चिम बंगाल में जो राजनीतिक लड़ाई चल रही थी वह अब त्रिपुरा पहुंच गई हैण् फर्क बस यही है कि जिन

दोनों राजनीतिक दलों टीएमसी और बीजेपी के बीच यह लड़ाई चल रही हैए उनका पक्ष बदल गया हैण् बंगाल में जहां सत्तारूढ़ टीएमसी को बीजेपी से चुनौती मिल रही थीए वहीं त्रिपुरा में टीएमसी ने सत्तारूढ़ बीजेपी के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैंण् त्रिपुरा में भी श्खेला होबेश् के कामयाब नारे के साथ मैदान में उतरी टीएमसी और बीजेपी के बीच जगह.जगह हिंसक झड़पें होने लगी हैं।

राज्य सरकार ने सरकारी कामकाज में बाधा पहुंचाने के आरोप में ममता के भतीजे सांसद अभिषेक बनर्जी समेत कई नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज की हैण् मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीजेपी पर त्रिपुरा में भी केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया हैण् कोलकाता के भवानीपुर इलाके में गुरुवार को आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में ममता ने कहाए ठबीजेपी हर उस राज्य में केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है जहां वह सत्ता में हैण् बंगाल में सत्ता में नहीं होने के बावजूद पार्टी के नेताओं को लगातार परेशान किया जा रहा हैण् पार्टी इससे पहले मुलायम सिंह यादवए शरद पवार और कांग्रेस के खिलाफ भी यही तरीका आजमाती रही है।

मुख्यमंत्री का आरोप है कि बीजेपी राजनीतिक रूप से टीएमसी का मुकाबला करने में नाकाम रही हैण् इसलिए वह केंद्रीय एजेंसियों के कंधे पर बंदूक रख कर चला रही हैण् बीते दिनों कई बार त्रिपुरा का दौरा कर चुके टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी कहते हैंए ठबिप्लब देब सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी भारी बहुमत से जीत कर सरकार बनाएगीठ त्रिपुरा में वही हो रहा है जो कुछ महीने पहले बंगाल में हुआण् पहले बंगाल में जिस तरह टीएमसी से बीजेपी में शामिल होने की होड़ लगी थी वही हालत अब त्रिपुरा में देखने को मिल रही हैण् अब तक कांग्रेस और बीजेपी के सैंकड़ों नेता और कार्यकर्ता टीएमसी का दामन थाम चुके हैंण् कौन होगा चेहरा त्रिपुरा बीजेपी के प्रवक्ता नबेंदु भट्टाचार्य का दावा है कि पार्टी को टीएमसी से कोई चुनौती नहीं मिलेगी।

महाराष्ट्र सदन घोटाला ः छगन भुजबल को अदालत ने किया रिहाए बेटे और भतीजे भी रिहा

मुंबई (एजेंसी)। चर्चित महाराष्ट्र सदन भ्रष्टाचार केस में स्पेशल कोर्ट ने गुरुवार को एनसीपी के नेता छगन भुजबल उनके बेटे पंकज और भतीजी समीर को रिहा कर दिया। छगन भुजबल के वकील की तरफ से कहा गया कि मंत्री रहने के दौरान उनके या उनके रिश्तेदारों द्वारा भ्रष्टाचार के कोई सबूत नहीं मिले हैं। स्पेशल जज एचएस सतभाई ने इसके साथ ही तनवीर शेखए इराम शेखए संजय जोशीए गीता जोशी को भी रिहा कर दिया। यह लोग अलग.अलग कंपनियों में निदेशक के पद पर थे। भुजबल ने वकीलों सजल यादव और सुदर्शन खवासे के जरिए दायर अपनी याचिका में तर्क दिया था कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग ;पीडब्ल्यूडीद्ध के राज्य मंत्री के रूप में उनके द्वारा किसी भी अनियमितता या भ्रष्टाचार का कोई सबूत नहीं था।साल 2015 में एंटी.करप्शन ब्यूरो ने 11 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जिसमें आरोप लगाया गया था कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के स्वामित्व वाली भूमि पर एक प्रोजेक्ट के लिए एक डेवलपर फर्म का पक्ष लिया गया था। भुजबल 2004 से 2014 तक पीडब्ल्यूडी मंत्री थे। दिल्ली में महाराष्ट्र सदन और तारदेव में आरटीओ भवन के निर्माण के बदले डेवलपर को प्रोजेक्ट दिया गया था। अपने एक आदेश में स्पेशल कोर्ट ने पहले ही डेवलपर सहित 5 लोगों को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा था कि इनके खिलाफ भ्रष्टाचारए धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने का कोई चार्ज साबित नहीं होता है।

केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की पत्नी और बेटे के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी, कर्ज ना चुकाने पर एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे की पत्नी नीलम और बेटे नीतेश के खिलाफ किसी वित्तीय संगठन से लिये गये ऋण को नहीं चुकाने से जुड़े मामलों में प्रशासन द्वारा लुकआउट सर्कुलर जारी किये गये हैं। पुणे पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। लुकआउट सर्कुलर एक ऐसा नोटिस होता है जो किसी व्यक्ति के देश से बाहर जाने पर रोक लगाता है। इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए पुलिस उपायुक्त ;अपराधद्ध श्रीनिवास घडगे ने कहा कि नीलम राणे और नीतेश राणे के विरूद्ध तीन सितंबर को लुकआउट नोटिस जारी किए गए। उन्होंने बताया कि नीलम राणे के स्वामित्व वाली कंपनी आर्टलाइन प्रोपर्टीज प्राइवेट लिमिटेड ;मुख्य ऋणकर्ता कंपनीद्ध ने डीएचएफएल ;दिवान हाउसिंग फाइनेंस कोरपोरेशन लिमिटेडद्ध से 25 करोड़ रूपये ऋण लिया थाए जिसमें वह सह ऋणकर्ता हैंए अब कंपनी पर 27ण्13 करोड़ रूपये का बकाया है। उपायुक्त ने बताया था कि इसी तरह नीतेश राणे के स्वामित्व वाले नीलम होटल्स ने एक वित्तीय संगठन से कर्ज लिया था और अब 34 करोड़ रूपये का बकाया है।

उन्होंने कहा कि दोनों ही ऋणों को डीएचएफएल ने गैर भुगतान के चलते गैर निष्पादित परिसंपत्तियों ;एनपीएद्ध की श्रेणी में डाल दिया था। उन्होंने कहा कि दोनों के खातों को एनपीए की श्रेणी में डाले जाने के बाद इस वित्तीय संगठन ने केंद्र से संपर्क किया था और केंद्र ने राज्य सरकार को निर्देश जारी किये थेए जिसके बाद लुकआउट नोटिस जारी किए गए थेन। आपको बता दें कि नारायण राणे अभी हाल ही में एक विवादित बयान की वजह से सुर्खियों में आए थे। उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को थप्पड़ मारने की बात कह दी थी।

लाल चींटी की चटनी से कोरोना का इलाज? सुप्रीम कोर्ट बोला- हम इसके इस्तेमाल का नहीं दे सकते आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वायरस के इलाज के लिए लाल चींटी की चटनी का इस्तेमाल करने का निर्देश देने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को इस याचिका को खारिज करते हुए कहा कि वह पूरे देश में कोविड.19 के उपचार के लिए परंपरागत चिकित्सा या घरेलू चिकित्सा के इस्तेमाल का आदेश नहीं दे सकता है। जस्टिस डीण् वाईण् चंद्रचूड़ए जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस हिमा कोहली की पीठ ने कहाए श्देखिए कई परंपरागत चिकित्सा हैंए यहां तक कि हमारे घरों में भी परंपरागत चिकित्सा होती है। इन उपचारों के परिणाम भी आपको खुद ही भुगतने होते हैंए लेकिन हम पूरे देश में इस परंपरागत चिकित्सा को लागू करने के लिए नहीं कह सकते हैं। पीठ ने ओडिशा के आदिवासी समुदाय के सदस्य नयधर पाधियाल को कोविड.19 रोधी टीका लगवाने का निर्देश देते हुए याचिका खारिज कर दी। याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए वकील अनिरुद्ध सांगनेरिया ने कहा कि ओडिशा हाई कोर्ट ने याचिका

खारिज कर दी थी और उन्होंने फैसले को चुनौती दी थी।

पीठ ने कहाए समस्या तब शुरू हुई जब हाई कोर्ट ने आयुष मंत्रालय के महानिदेशक और वैज्ञानक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् ;सीएसआईआरद्ध को तीन महीने के अंदर लाल चींटी की चटनी को कोविड.19 के उपचार के तौर पर इस्तेमाल के प्रस्ताव पर निर्णय लेने के लिए कहा। हम इसे खत्म करना चाहते हैं। इसने कहाए हम संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई नहीं करना चाहते। इसलिए विशेष अनुमति याचिका खारिज की जाती है। याचिका में कहा गया कि लाल चींटी और हरी मिर्च को मिलाकर बनाई गई चटनी को ओडिशा और छत्तीसगढ़ सहित देश के आदिवासी क्षेत्रों में बुखारए खांसीए ठंडए थकानए सांस की समस्या और अन्य बीमारियों में दवा के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। याचिका में दावा किया गया कि लाल चींटी की चटनी औषधीय गुणों से भरपूर होती है और इसमें फॉर्मिक एसिडए प्रोटीनए कैल्शियमए विटामिन बी12 और जिंक होता है तथा कोविड.19 के उपचार में इसके प्रभाव को परखने की जरूरत है।

पंजाब से ज्यादा की गन्ने की कीमत, कहा- अमरिंदर की तरह खट्टर का कराओ मुंह मीठा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के बाद हरियाणा सरकार ने भी गन्ने की कीमत बढ़ा दी है। हरियाणा सरकार ने प्रति क्विंटल 12 रुपए का इजाफा करते हुए इसे 362 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है, जोकि पंजाब की कीमत से 2 रुपए प्रति क्विंटल अधिक है। हरियाणा के कृषि मंत्री ने इसे पूरे देश में सर्वाधिक बताया है। उन्होंने यह भी कहा कि किसान नेताओं को अब कैप्टन अमरिंदर की तरह सीएम मनोहर लाल खट्टर को भी मिठाई देनी चाहिए। प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा,'' पिछले 4 साल में पंजाब में गन्ने की कीमत 310 रुपए प्रति क्विंटल थी। चूंकि अब चुनाव नजदीक हैं, इसलिए उन्होंने इसे बढ़ाकर 360 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया। हरियाणा में गन्ने की कीमत 350 रुपए प्रति क्विंटल थी, जिसे बढ़ाकर अब 362 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है। यह देश में सर्वाधिक कीमत है।

सीएम योगी और अखिलेश यादव में ट्विटर पर संग्राम, जीने की कला पर वार-पलटवार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के बीच ट्वीटर पर संग्राम छिड़ा हुआ है। अगले छह महीने में होने वाले यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगे दोनों नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी है। एक.दूसरे को पटखनी देने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते हैं। न कभी एक दूसरे का नाम लेते हैं और न ही कभी ट्वीट को रिट्वीट करते हैं लेकिन लोग समझ जाते हैं कि दोनों का इशारा और निशाना किधर है। सीएम योगी ने गुरुवार की दोपहर साढ़े तीन बजे एक ट्वीट कर लिखा कि हम जीवन में कितने दिन जी रहे हैंए यह महत्वपूर्ण नहीं है। हमने कैसा जीवन जियाए यह महत्वपूर्ण होता है। सीएम योगी ने ट्वीट को न किसी को टैग किया न ही किसी का नाम लिखा।

कुछ देर बाद ही सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने

भी ट्वीट किया और लिखा कि महत्वपूर्ण यह नहीं है कि हमने कैसा जीवन जियाए महत्वपूर्ण ये है कि हमारी वजह से लोगों ने कैसा जीवन जिया। भाजपा ने लोगों का जीवन दूभर कर दिया है। अब तो भाजपाइयों के प्रवचन तक अच्छे नहीं लगतेए उनके दिए गये वचन की तो क्या ही बात करें। ये वापस लौटने की तैयारी है। भाजपा खत्म।

अखिलेश ने भी अपने ट्वीट को न किसी को टैग किया और न ही किसी का नाम लिखा। इसके बाद भी लोग समझ गए कि उनका निशाना किधर है। इसके बाद दोनों ओर से समर्थकों का वार.पलटवार शुरू हो गया। एक तरफ बीजेपी के समर्थक और कार्यकर्ता योगी के ट्वीट को रीट्वीट कराने में लग गए तो दूसरी ओर अखिलेश यादव पर तरह.तरह से हमला करने लगे। यही काम समाजवादी पार्टी के लोगों ने भी शुरू कर दिया। घंटों बाद तक ट्विटर पर दोनों ओर से महाभारत होती रही। योगी आदित्यनाथ और अखिलेश यादव में पहले भी कई बार बयानों को लेकर सीधी भिड़ंत देखने को मिली है। हाल में ही अब्बा जान को लेकर जबरदस्त हंगामा हुआ था। अखिलेश यादव ने जवाबी हमला किया था। इससे पहले योगी ने लाल टोपी को लेकर निशाना साधा तो अखिलेश ने लैपटॉप नहीं चलाने की बात कहकर सीएम योगी को घेरा था।

देश के 35 जिले अब भी कोरोना हॉटस्पॉट, अकेले केरल से मिले रहे 70 प्रतिशत केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कोरोना वयारस के नए मामलों को लेकर कुछ राज्यों में हालत चिंता जनक बनी हुई है। खासकर केरल और महाराष्ट्र में हालात सुधर नहीं रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि पिछले हफ़्ते आए कोरोना वायरस के कुल नए मामलों में करीब 70 फीसदी (68.59 प्रतिशत) मामले केरल से हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि हम अभी भी कोरोना वायरस की दूसरी लहर के बीच है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भारत के 35 जिलों में साप्ताहिक कोविड संक्रमण दर 10 प्रतिशत से अधिक तथा 30 जिलों में यह दर 5 से 10 प्रतिशत के बीच है। अभी देश में केवल 38 ज़िलों में प्रतिदिन 100 से ज़्यादा मामले आ रहे हैं। देश के कुल सक्रिय मामलों के 61 फीसदी केरल और महाराष्ट्र में 13 प्रतिशत हैं। कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में 10,000 से ज़्यादा और 50,000 से कम सक्रिय मामले हैं।

वैक्सीनेशन की बात करें दो दिन पर दिन टीकाकरण की रफ्तार बढ़ती जा रही है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं.

UPHIN 2001/9025

हरियाणा सरकार 'पूरे करनाल प्रकरण' की निष्पक्ष जांच को तैयार

अनिल विज ने किसान नेताओं को चेताया- हो सकती है कार्रवाई

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने गुरुवार को कहा कि सरकार पिछले महीने करनाल में किसानों और पुलिस के बीच हुई झड़प की निष्पक्ष जांच के लिए तैयार है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने किसानों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर किसान दोषी पाए गए तो उन्हें भी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। विज ने कहा कि सरकार एक आईएएस अधिकारी आयुष सिन्हा की विवादित टिप्पणियों और किसानों पर पुलिस लाठीचार्ज समेत इस पूरे करनाल प्रकरण की जांच कराने के लिए तैयार है। मंत्री ने यह स्पष्ट कर दिया कि किसी को भी जांच के बिना सिर्फ इसलिए सूली पर नहीं चढ़ाया जा सकता कि कोई इसकी मांग कर रहा है।

किसान लाठीचार्ज के बाद से जिला मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं।

किसान 28 अगस्त को लाठीचार्ज के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं जिसमें 10 लोग तब घायल हो गए थे जब पुलिस ने उन्हें करनाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम स्थल की ओर मार्च करने से रोकने के लिए बल का प्रयोग किया था। उनकी मुख्य मांग आईएएस अधिकारी आयुष सिन्हा से संबंधित है। सिन्हा को किसानों के 28 अगस्त के प्रदर्शन के दौरान एक टेप में पुलिसकर्मियों को कथित तौर पर यह कहते हुए सुना गया कि अगर प्रदर्शनकारी सुरक्षा तोड़ते हैं तो उनका सिर फोड़ देना। विज ने अंबाला में पत्रकारों से कहा कि हम निष्पक्ष जांच के लिए तैयार हैं, लेकिन यह केवल करनाल के पूर्व एसडीएम आयुष सिन्हा से संबंधित नहीं होगी बल्कि पूरे करनाल प्रकरण से जुड़ी होगी। इस जांच में अगर किसान या उनके नेता दोषी पाए गए तो उन पर भी उचित कार्रवाई की जाएगी।बहरहाल, मंत्री ने कहा कि करनाल में प्रदर्शन कर रहे किसानों की केवल जायज मांगों को ही स्वीकार किया जा सकता है। हम किसी को इसलिए सूली पर नहीं चढ़ा सकते कि किसी ने ऐसा करने के लिए कहा है...क्या देश की भारतीय दंड संहिता और किसानों की आईपीसी अलग है? ऐसा नहीं हो सकता और सजा हमेशा अपराध के अनुसार दी जाती है।

लव जिहाद से आतंकवाद में धकेली जा रहीं दूसरे धर्म की लड़कियां, खत्म करना चाहते हैं गैर मुस्लिमः बिशप

कोट्टायम (एजेंसी)। केरल में एक कैथोलिक बिशप ने गुरुवार को कहा कि राज्य में ईसाई लड़कियां बड़ी संख्या में 'लव जिहाद और नार्कोटिक जिहाद के जाल में फंस रही हैं और जहां हथियारों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, वहां चरमपंथी अन्य धर्मों की युवतियों को बर्बाद करने के लिए ये हथकंडे अपना रहे हैं। बिशप ने कहा कि जिहादी प्यार और दूसरे तरीकों से दूसरे धर्म की महिलाओं का दुरुपयोग आतंकी गतिविधियों या आर्थिक लाभ के लिए करते हैं। उनका लक्ष्य अपने धर्म को बढ़ाना और गैर-मुस्लिमों को खत्म करना है। उन्होंने कहा कि चरमपंथियों के लिए यह युद्ध की रणनीति है। सायरो मालाबार चर्च से जुड़े पाला बिशप मार जोसेफ कल्लारनगट्टु ने आरोप लगाया कि 'लव जिहाद के तहत गैर मुस्लिम लड़कियों, विशेष

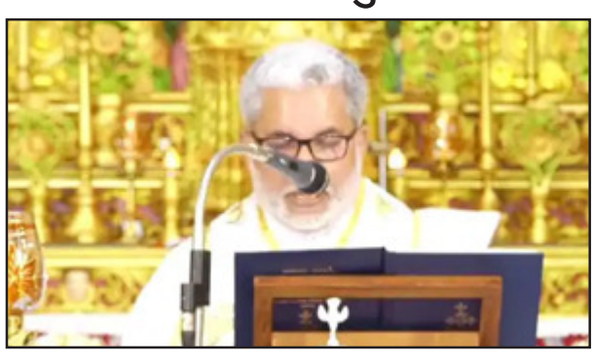

रूप से ईसाई समुदाय की लड़कियों को प्रेम के जाल में फंसा कर उनका धर्मांतरण किया जा रहा है और शोषण किया जा रहा है। उनका आतंकवाद जैसी विध्वंसक गतिविधियों में उनका इस्तेमाल किया जा रहा है। वह कोट्टायम जिले में कुरूविलंगड में एक चर्च समारोह में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। बिशप ने दुनिया भर में और केरल में सांप्रदायिकता फैलाने, धार्मिक असौहार्द्र और असहिष्णुता बढ़ाने की कोशिश करने वाले जिहादियों की मौजूदगी के खिलाफ आगाह करते हुए कहा कि वे अन्य धर्मों को तहस-नहस करने के लिए अलग-अलग तरकीब अपना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''इस तरह की दो चीजें लव जिहाद और नार्कोटिक (मादक पदार्थ) जिहाद हैं।

महिलाओं को मंत्री नहीं बनाएगा तालिबान, कहा- उन्हें बच्चा ही पैदा करना चाहिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ प्रदर्शन जारी है। तालिबान के प्रवक्ता सैयद जकीरूल्लाह हाशमी ने कहा है कि महिलाओं को बच्चा पैदा करना चाहिए। उनका कैबिनेट में होना जरुरी नहीं है। हाल ही में तालिबान ने अपनी कैबिनेट बनाई है। इस कैबिनेट में 33 लोगों को शामिल किया गया है, लेकिन किसी भी महिला को जगह नहीं दी गई है। तालिबानी प्रवक्ता ने अब महिलाओं को लेकर कहा है कि एक महिला मंत्री नहीं बन सकती है। यह ऐसा है जैसे उसके गर्दन पर कोई चीज रख देना जिसे वो नहीं उठा सकती है। महिलाओं के लिए कैबिनेट में होना जरुरी नहीं है। उन्हें बच्चे पैदा करना चाहिए। महिला प्रदर्शनकारी अफगानिस्तान की सभी महिलाओं का प्रतिधिनत्व नहीं कर रही हैं।

अफगानिस्तान में अलग-अलग जगहों पर अपने अधिकार की मांग को लेकर महिलाएं लगातार प्रदर्शन कर रही हैं। तालिबान द्वारा इन महिलाओं के साथ क्रूरता किये जाने की तस्वीरें भी सामने आ रही हैं। अफगानिस्तान में तालिबान के खिलाफ मोर्चा खोलने वाली महिलाएं उनकी बंदूकों से डरे बिना सड़कों पर उतर रही हैं। इधर तालिबान सरकार के आंतरिक(गृह) मंत्रालय ने अफगानिस्तान में कई दिनों से जारी प्रदर्शनों को समाप्त कराने के लिए शासनादेश जारी किया है।

आंतरिक मंत्री ने देश में सभी तरह के प्रदर्शनों को समाप्त कराने के लिए यह आदेश जारी किया है जिसके तहत प्रदर्शनकारियों को किसी भी तरह का प्रदर्शन करने के लिए पूर्व में अनुमति लेनी होगी। इसके अनुसार उन्हें प्रदर्शन में लगने वाले नारों और बैनरों के लिए भी पहले ही मंजूरी लेनी होगी। इस बात की संभावना बहुत कम है कि देश के कट्टरपंथी इस्लामी शासकों से अपने अधिकारों की मांग को लेकर लगभग रोजाना हो रहे प्रदर्शनों की अगुवाई कर रही महिलाओं को नये नियमों के तहत प्रदर्शन करने की इजाजत होगी। मंत्रालय के बयान के मुताबिक, ''सभी नागरिकों के लिए घोषणा की जाती है कि वे मौजूदा वक्त में किसी तरह का प्रदर्शन किसी भी नाम के तहत करने का प्रयास न करें। सोशल मीडिया पर इस तरह के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जहां तालिबान के लड़ाकों द्वारा महिलाओं को पीटा जा रहा है. मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो तालिबान के लड़ाकों ने महिलाओं और पत्रकारों को डंडों और रायफल की बट से पीटा है। साथ ही कई पत्रकारों को गिरफ्तार कर उनकी पिटाई की है। तालिबान ने महिलाओं पर कपड़े पहनने, स्कूलों में लड़के-लड़कियों को एक साथ नहीं पढ़ने, ऑफिस में काम नहीं करने समेत कई अन्य चीजों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं। इसको लेकर काबुल समेत अन्य शहरों में महिलाएं तालिबान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही हैं। महिलाएं सरकार में हिस्सेदारी की मांग कर रही है। महिलाओं का कहना है कि तालिबान ने जब अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो कहा था कि वह अपनी सरकार में महिलाओं को भी शामिल करेगा,लेकिन तालिबान अब महिलाओं पर अत्याचार कर रहा है।

अमेरिकी विमान के पंखे से झूला झूल रहे हैं तालिबानी, वीडियो वायरल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद कई दर्दनाक तस्वीरें भी सामने आईं। लेकिन अब एक ऐसा वीडियो सामने आया है जिसे देखने के बाद आप खुद को हसने से नहीं रोक पाएंगे। सोशल मीडिया पर वायरल रहे इस वीडियो पाकिस्तान के एक पत्रकार ने शेयर किया है। दरअसल पाकिस्तानी पत्रकार जे बाघवान की ओर से शेयर किए गए वीडियो में तालिबानी लड़ाके लड़ाकू विमान के पंख पर झूला झूल रहे हैं। जिस सैन्य विमान पर तालिबानी लड़ाके झूला झूल रहे हैं दरअसल वो अमेरिकी सेवा का विमान है। अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान से वापसी के दौरान अपने कई लड़ाकू विमान को एयरपोर्ट पर ही छोड़कर चले गए। ये विमान उड़ने की हालत में नहीं हैं क्योंकि अमेरिकी सैनिक उसे डिसेबल करके गए हैं।